दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः181 | ग्वालियर 11, मार्च सोमवार 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

लोकसभा चुनाव से पहले सीएम मोहन यादव ने दी श्रमिकों को सौगात, अब मिलेगी इतने हजार मजदूरी

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने लोकसभा चुनाव से पहले मजदूरों को बड़ी सौगात दी है. मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मजदूरों के मासिक मजदूरी में बढ़ोतरी का ऐलान किया है. इसके अलावा पार्ट टाइम मजदूरी करने वाले लोगों को भी संबल योजना से जोड़ने का ऐलान किया है. लोकसभा चुनाव के पहले मुख्यमंत्री की इस घोषणा का लाभ प्रदेश के लाखों मजदूरों को मिलने वाला है.मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के मुताबिक, पिछले 10 सालों से अकुशल, कुशल और खेतिहर मजदूरों की मासिक मजदूरी में बढ़ोतरी नहीं हुई थी, जिसे प्रदेश की सरकार ने कई गुना अधिक बढ़ा दिया है. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने

बताया कि अकुशल श्रमिकों की मासिक मजदूरी 1670 रुपये से बढ़ाकर 11,450 रुपये करने का ऐलान किया जा चुका है. इसके अलावा अर्धकुशल श्रमिकों की मासिक मजदूरी 12,446 रुपये होगी.

एमपी के लाखों श्रमिकों को मिलेगा लाभ-इतना ही नहीं अब खेतिहर मजदूरों की मजदूरी बढ़कर 9,160 रुपये होगी. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में गरीब वर्ग के लोगों का जीवन स्तर में बदलाव लाने के लिए सरकार कई नई योजनाओं को ला रही है. इसके अलावा पूर्व में जो योजनाएं चल रही थीं उन्हें आगे बढ़ाया जाएगा. सरकार का दावा है कि उनकी योजना का लाभ मध्य प्रदेश के लाखों श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों को मिलेगा.

इन्हें भी मिलेगा संबल योजना का लाभ-मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उदाहरण देते हुए बताया कि जो लोग समाचार पत्र का वितरण करते हैं या फिर पार्ट टाइम कोई अन्य मजदूरी करते हैं, उन्हें अभी तक संबल योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था. ऐसे लोगों को भी अब संबल योजना का लाभ दिया जाएगा, जिससे उनके जीवन स्तर को भी ऊपर उठाए जा सके. लोकसभा चुनाव के पहले निर्धन और मध्यम वर्ग के परिवारों का ध्यान आकर्षित करने के लिए सरकार रोज नई योजनाओं का ऐलान कर रही है.

कूनो से आई गुड न्यूज़, मादा चीता गामिनी ने पांच शावकों को दिया जन्म

कूनो नेशनल पार्क से गुड न्यूज आई है. यहां मादा चीता गामिनी ने पांच शावकों को जन्म दिया है. यह जानकारी केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने दी है और साथ ही सोशल मीडिया पर शावकों की तस्वीर भी शेयर की है. इस तस्वीर में मादा चीता अपने शावकों को प्यार करती हुई नजर आ रही हैं.मादा चीता गामिनी की उम्र पांच साल बताई जा रही है. जिसे दक्षिण अफ्रीका से लाया गया था. केंद्रीय मंत्री ने वन विभाग के अधिकारियों को शावकों के जन्म पर बधाई दी है. शावकों के जन्म को लेकर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक्स पर लिखा, मादा चीता करीब पांच वर्ष की है और उसे साउथ अफ्रीका का त्वालू कालाहारी रिजर्व से लाया गया था. उसने आज पांच शावकों को जन्म दिया है. इसके साथ ही भारत में जन्म लेने वाले

शावकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है.

केंद्रीय मंत्री ने दी यह जानकारी-भूपेंद्र यादव ने आगे लिखा, भारत की धरती पर चीता का यह चौथा वंश है और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीता का यह पहला वंश है. सभी को बधाई विशेषकर वन अधिकारियों, पशु चिकित्सकों और फील्ड स्टाफ को जिन्होंने चीता के लिए तनाव मुक्त वातावरण सुनिश्चित किया. जिसकी वजह से चीता का मिलन हुआ और शावकों का सफलतापूर्वक जन्म हुआ. अब चीता की कुल संख्या 26 हो गई है जिनमें कूनो नेशनल पार्क के शावक भी शामिल हैं. दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया से 20 चीते भारत लाए गए थे जिनमें से कुछ की मौत हो गई है. पीएम मोदी ने 2022 में चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी.

कांग्रेस में घुटन हो रही थी..., लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी में जाने की संजय शुक्ला ने बताई वजह

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है. संजय शुक्ला समेत कांग्रेस से कई नेता बीजेपी का दामन थाम चुके हैं. एमपी विधानसभा चुनाव 2023 में एक दूसरे को आमने-सामने टक्कर देने वाले बीजेपी और कांग्रेस के दिग्गज नेता अब एक ही पार्टी के हो गए हैं. बीजेपी की सदस्यता लेने के बाद संजय शुक्ला इंदौर के बीजेपी दफ्तर पहुंचे. यहां उन्होंने पत्रकारों के सवालों का बेबाकी से जवाब दिया.संजय शुक्ला ने पत्रकारों का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस में घुटन हो रही थी. बीजेपी में जाने से किसी ने रोका नहीं और पिता का सपना था कि बीजेपी के लिए काम करूं. उन्होंने कहा कि पार्टी बदलने का फैसला खुद का है, किसी के कहने पर नहीं लिया. विजयवर्गीय से जु? सवाल पर बोले कि मैं कैलाश विजयवर्गीय का बच्चा हूं, उनके साथ काम करूंगा. बीजेपी राष्ट्र का काम कर रही है. मोदी जी की अगुवाई में देश विश्व गुरु बनने जा रहा हैं. मेरे पिता भाजपा के फाउंडर रहे हैं मुझे उनके बचे काम पूरे करना हैं.

संजय शुक्ला ने दिया पत्रकारों के सवालों का जवाब-संजय शुक्ला से जब पूछा गया कि अब आप स्वयं का बीजेपी में क्या भविष्य देखते हैं? तो उन्होंने कहा कि मैं बीजेपी में एक साधारण कार्यकर्ता बनकर आया हूं, कांग्रेस में भी ऐसे ही आया था. पार्टी जो आदेश करेगी करूंगा. जब उनसे पूछा गया कि क्या आपका पार्टी बदलने का मन पहले से था? तो उन्होंने कहा कि ये उसी दिन तय हो गया था जब कांग्रेस ने राम मंदिर का न्योता ठुकरा दिया था. ये पार्टी परिवारवाद से बाहर ही नहीं निकल पा रही हैं. इसलिए अच्छे लोग कांग्रेस पार्टी को न चाहते हुए भी छो?कर जा रहे हैं. वहां काम करने का मौका नहीं मिल रहा था और घुटन हो रही थी.जब पत्रकारों ने संजय शुक्ला से पूछा कि आपको बीजेपी में आने में आखिर इतने दिन क्यों लगे? उन्होंने कहा कि विचार कर रहा था.

सुरेश पचौरी जी से बात की. जब ये सवाल किया गया कि बीजेपी में जाने का ये फैसला आपका था या पचौरी का? तो उन्होंने इसके जवाब में कहा कि मैं उनसे कहा बीजेपी में शामिल होना हैं. दो दिन से बात चल रही थी. उन्होंने कहा ठीक है मैं करता हूं. बीजेपी ज्वाइन करने की रणनीति किसने बनाई ? इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि पचौरी ने ही ये रणनीति बनाई. वे हमारे वरिष्ठ हैं.

कांग्रेस पार्टी से किसी ने नहीं रोका-संजय शुक्ला से जब पूछा गया कि दिल्ली में किसी से बात हुई? तो उन्होंने कहा कि मुझे नहीं मालूम, पचौरी जी ने किससे बात की. आपको बीजेपी ज्वाइन करने के लिए कब सूचना दी? तो उन्होंने कहा कि परसों रात पचौरी का फोन आया था कि सुबह भोपाल भाजपा दफ्तर पहुंचना है. इस सवाल देपालपुर के कांग्रेस के पूर्व विधायक विशाल पटेल कब तैयार हुए? पर उन्होंने कहा कि कल 9 मार्च को सुबह विशाल पटेल जी को मैंने बताया तो वे भी तैयार हो गए कि साथ चलते हैं.संजय शुक्ला से जब पूछा गया कि कांग्रेस से किसी ने रोकने का कोशिश नहीं की? तो उन्होंने कहा कि नहीं किसी ने हमसे संपर्क नहीं किया. इस सवाल कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी कह रहे है आप दोनों को खूब समझाया था? पर उन्होंने कहा कि गलत बोल रहे है पटवारी से कोई बात नहीं हुई. जब उनसे यह पूछा गया कि यहां जिम्मेदारी क्या रहेगी? तो उन्होंने कहा कि पिता ने पार्टी को ख?ा किया है. उनका भी सपना था कि बीजेपी में रहकर सेवा करूं. काम तो लगातार कर रहा था, कांग्रेस में जो नहीं कर पाया यहां करूंगा.संजय शुक्ला ने इस सवाल कैलाश विजयवर्गीय के साथ काम करना होगा? को जवाब देते हुए कहा कि कैलाश से परिवार की तरह रिश्ते हैं. चुनाव अपनी जगह है उनके साथ काम करूंगा. जब पूछा गया कि उन्होंने कहा कि साले तेरी गाली सुनी, अब तुझे पार्टी में ले रहा हूं?

STORME SMART SOLUTIONS

अपने स्वयं की गाड़ी चलाओ
पैसे कमाओ

कमायें 5000 रु. प्रति माह

अपनी गाड़ी 300 Km. चलाओ
5000/- प्रतिमाह कमाओ

9908750812, 8602854455, 9244933139

Old Railway Line, Near Sciendia Chauraha, Shatabdi Puram
Gwalior, Madhya Pradesh 474020

Website : www.stormesmartsolutions.com

नवजात शिशु की 28 दिनों तक करें विशेष देखभाल इन बीमारियो का रहता है खतरा...डा.सुरेन्द्र गुर्जर आरएमओ मुरैना

केशब पंडित जी अम्बाह

मुरैना... नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल के प्रति जन-जागरूकता बहुत जरूरी है प्रसूताओं को स्तनपान के तरीके समझाते हुए बताया कि 45 दिनों तक नवजात की विशेष देखभाल करें।आरएमओ डा. सुरेन्द्र गुर्जर ने बताया यूं तो नवजात काल की अवधि (जीवन के पहले 28 दिन) बहुत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन एएनएम और आशा वर्कर 28 दिनों तक फालोअप करती हैं। इस अवधि में नवजात को जोखिम अधिक होता है।एएनएम और आशा वर्कर शिशु की उचित देखभाल, कंगारू मदर केयर विधि, स्तनपान की विधि के बारे में बताती हैं। स्पेशल न्यू बोर्न चाइल्ड केयर यूनिट में शिशुओं का वजन तौला जाता है। निमोनिया से बचाव और

लक्षण के प्रति अभिभावकों को जागरूक किया जाता है। बच्चों में निमोनिया की रोकथाम के लिए न्यूमोकोकल कांज्युगेट वैक्सीन की तीनों डोज लगवाने की सीख दी जाती है।

नवजात की देखभाल में यह भी रखें ध्यान–नवजात को जन्म के तुरंत बाद न नहलाएं। जन्म के तुरंत बाद नवजात का वजन लें। जन्म के एक घंटे के भीतर मां का दूध पिलाएं। छह माह तक शिशु के स्तनपान कराएं। नियमित रूप से सम्पूर्ण टीकाकरण कराएं। शिशु को सर्दी से बचाएं। शिशु का कमरा प्रदूषण रहित हो। जच्चा-बच्चा घर से बाहर कम ही निकलें। छोटे बच्चों को नवजात शिशु से दूर रखें। स्तनपान कराते समय मां मास्क जरूर पहनें। शिशु को छूने से पहले अपने हाथों को धोएं। शिशु के कपड़े और बिस्तर गीला न रहे। शिशु की तबियत खराब दिखे तो तुरंत चिकित्सक को दिखाएं। नवजात की नाभि सूखी एवं साफ रखें। संक्रमण से बचाएं,मां-शिशु की स्वच्छता का ख्याल रखें।

केएमसी के लाभडा. गुप्जर ने बताया कंगारू मदर केयर (केएमसी) से शिशु और मां दोनों को लाभ है। शिशु का तापमान सही रहता है, वह इंफेक्शन से भी दूर रहता है। शिशु और मां के बीच रिश्ता मजबूत होता है। स्तनपान बेहतर होता है। केएमसी देते समय बच्चा रोने लगे, असुविधा महसूस करे तब समझें कि केएमसी बंद करने का समय आ गया

श्रद्धालुओं के लिए की पेयजल की व्यवस्था

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

मुम्बई ञसीरवी विकास सेवा संस्था खारघर नवी मुंबई की आज महाशिवरात्री के पावन पर्व पर स्थानिय सेक्टर 12 खारघर शिव मंदिर पर सुबह 5 बजे से ही पुरे दिन कमैटी के पदाधिकारीयों व सदस्य गणों व सहलाकार मंडलो एवं महिला मंडल व युवाओ के साथ जल सेवा की गयी शिव भक्तों का आज मंदिर पर तांता लगा रहा और दर्शन के लिए लंबी लंबी लाइनों में खडे रहकर सभी शिव भक्तों ने दर्शन का लाभ लिया मंदिर प्रांगण में जल सेवा फरूट सेवा उपवास के भी सभी संस्थाओं की तरफ से अलग अलग स्टोल कै साथ सभी ने सेवा में योगदान दिया। सु बह से रात तक संस्था के सभी पदाधिकारी हर साल की भाती इस वर्ष भी सेवा में कोई कमी नहीं आने दी। सीरवी समाज के भामाशाहो ने भि अच्छा योगदान दिया राशी के रूप में सब संस्था के पास जमा किया जल सेवा बहुत ही उत्तम सेवा से शिव मंदिर के ट्रस्टी द्वारा अंत में सभी पदाधिकारीयों का स्वागत किया। संस्था के अध्यक्ष हुकमाराम देवडा उपाध्यक्ष थानाराम परमार, उपाध्यक्ष हिरालाल गेहलोत, सचिव हिरालाल काग सहसचिव प्रकाश गेहलोत कोषाध्यक्ष मांगीलाल सोलंकी सह कोषाध्यक्ष रमेश कुमार काग, संगठनमंत्री नथाराम महामंत्री खिमाराम काग व गोशाला प्रभारी नगराज गेहलोत, चेलाराम, मुलेवा खेल मंत्री अनिल, पोमाराम, पारसमल, पिताराम, जितेंद्र, सुरेश कुमार सहित समाज के लोग मौजूद रहे।

हिन्दुओं के सम्मान की लड़ाई लड़ने के लिये बजरंगदल संघर्षरत–व्यास

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- दबोह के कांक्सी मंदिर पर विश्व हिन्दू परिषद,बजरंग दल के नवीन कार्यकर्ताओं का एक सम्मेलन आयोजित किया गया।जिसे लहार जिलाध्यक्ष उमाशंकर व्यास ने सम्बोधित करते हुए कहा की हिन्दुओं के मान सम्मान की लड़ाई सदैव विश्व हिन्दु परिषद लड़ता है और हिन्दू धर्म संस्कृति के संरक्षण संवर्धन का कार्य सदैव परिषद ने किया।प्रांत गौ रक्षा प्रमुख शिशुपाल जी चौहान ने कार्यकर्ताओं को सावधान करते हुये कहा की हिन्दू हित की लड़ाई लड़ने के लिये आप कमर कसलो आज गौ माता सबसे परेशान है गौ माता की रक्षा हम सबको करना है क्योंकि हमको गौ तस्करों और भ्रष्ट अधिकारियों से लडना है।जिला मंत्री सुरेन्द्र शुक्ला ने कहा हम सब संगठित होकर महामना मदन मोहन मालवीय के सूत्र पर कार्य करें ग्रामे ग्रामे सभा कार्या ग्रामे ग्रामे कथा शुभा पाठ शाला मलय शाला प्रति पर्वों महोत्सवा पर कार्य करना है।इसलिये ग्रामों में पुलिस की मिली भगत से ग्राम ग्राम मोहल्ले मोहल्ले में नशा सामग्री बिक रही है। ऐसे भ्रष्ट पुलिस अधिकारीयो के खिलाफ विश्व हिन्दू परिषद आन्दोलन चलाकर उन अधिकारीयो को चिन्हित कर सरकार से कार्यबाही करायेगी।बजरंगदल के कार्यकर्ता समाज जागरण का कार्य करें यह ईश्वरीय कार्य है ईश्वर सदैव हमारे साथ है 60 साल में हम पहले संघटन है जिसने अपना संकल्प पूर्ण किया।आज भगबान राम लला सरकार भव्य दिव्य मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठित हो गये है।बैठक में मार्गदर्शक मण्डल के प्रमुख पं.विनीत तिबारी,जिले के धर्म प्रचार प्रमुख सुनकेश तिबारी टोला,प्रखंड मंत्री संजय गुप्ता,बजरंग दल प्रखंड संयोजक अंकित पाराशर,रविन्द्र कौरव,नीरज कौरव,बलराम कुशबाह,बीरेन्द्र रायकवार,दीपक रायकवार,नरेन्द्र शाक्यबार,अभिषेक शाक्यबार,बीरु राठोर,दीपक कौरव, भगबान सिंह प्रजापति,बलदाऊ उदैनिया,ध्यानेंद्र सिंह कौरव, अभिलाख,अजय कुशबाह,अंगद कौरव,ह्रदेश शाक्य,राकेश कुशबाह, रिंकू कुशबाह,भगबान सिंह प्रजापति आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

क्रिकेट टूर्नामेंट मे गोदरेज ने जे बी मंगाराम को हराया कैडबरी मोंटेज ने एग्जोनोवल को हराया

दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता मालनपुर

मालनपुर नॉर्दर्न एमपी स्टेट एचआर मैनेजर फॉर्म टूर्नामेंट का आज खेले गए सूर्या रोशनी मैदान पहला मैच कैडबरी /(मोंटेलेज एवं एग्जोनोवल के बीच हुआ एग्जोनोबल ने पहले बैटिंग करते हुए 15.2 बोल पर 72 रेनो का लक्ष्य दिया जिसके जवाब 8.1में 9 विकेट से मोंटिलेज कैडबरी ने जीत लिया का मैच दूसरा मैच एच आर 11 और टेवा बीच खेला गया जिसमें एच आर 11 ने पहले बैटिंग करते हुए 107 रनों का लक्ष्य दिया जिसके जवाब में टेवा कंपनी ने 16 ओवर में 4 विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल कर लिया विक्रांत यूनिवर्सिटी में खेले गए पहले मैच में धुआंधार बैटिंग करते हुए गोदरेज कंपनी ने शानदार 181 रन बनाए जिसके जवाब में जे वी मंगाराम 69 रनों पर आउट हो गई इस प्रकार गोदरेज ने यह मैच 112 रन से जीत लिया सी जी पावर ग्राउंड में खेले गए मैच जिसमें सीजी पावर ने पहले बैटिंग करते हुए 139 रनों का लक्ष्य दिया जिसके जवाब में जमना ऑटो 116 रनों पर ऑल आउट हो गई सी जी पावर ने23 रनो से मैच जीत लिया

सांसद चौधरी का मुम्बई नगरी में सम्मान एवं जनसभाएँ

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

मुम्बई ।सीरवी विकास मंडल, मालाड के प्रांगण में आज पाली जलि के लोकप्रिय सांसद एवं भाजपा के प्रत्याशी, पुर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री पी पी चौधरी का हार्दिक स्वागत किया गया । इस मौके पर सीए चुन्नीलाल चौधरी ने आप द्वारा गत दस वर्षों में पाली जलि में किये गये विकास कार्यों को आम जनता के समक्ष रखा जिसकी जनता तालियों की गड़गड़ाहट के साथ अभिवादन किया । श्री चौधरी जी ने कहा कि वो जनता के दुख दर्द में मदद के लिए हमेशा तैयार रहते है । उनके द्वारा लगभग 23000 हज़ार करोड़ रूपये के विकास कार्य शिक्षा, बिजली , रेलवे, मेडिकल , सड़क आदि क्षेत्र में किये गये । आपकी संसद में कार्य कुशलता को कई बार मोदीजी, अमित शाह, जयशंकर, राजनाथ , पियुष गोयल, गड़करी , रविशंकर प्रसाद ने सराहा है । आप लोकसभा की महत्वपूर्ण समितियों के अग्रणी/ चेयरमेन रहते हुए सरकार को कई मुद्दों पर सुझाव दिये । इस बीच सांसद चौधरी जी ने जनता से चुनाव में हर बुथ पर कम से कम सौ नये वोट भाजपा के पक्ष नें डालने का निवेदन किया और ज्यादा से ज्यादा भाजपा के पक्ष में वोटकर मोदीजी के हाथ मज़बूत करने के लिए निवेदन किया ताकि पड़े कुछ अधूरे काम पुरे हो सके । मोदी जी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है और विदेशों में भारत की साख में ईजाफा हुआ है । बाद में दोपहर को थाणे शहर में जन सभा को संबोधित किया एवं शाम को नवी मुम्बई के खारघर के सीरवी समाज के आई माता मंदिर में भारी जन समुदाय को भाजपा के पक्ष में वोट करने के लिए निवेदन किया तथा जनता ने आश्वासन दिया कि इस बार फिर मोदी सरकार को लायेंगे ।

प्रकाश व विकास पर्व मानते हुए विधायक उमाकान्त शर्मा ने क्षेत्र के आधा दर्जन गाँवो को दी 15 करोड़ के विकास कार्यो की सौगात

किसानों व ग्रामीणों की सुविधा के लिए 3 विधुत सबस्टेशनों के साथ होगा पक्की सड़को का निर्माण

सिरोंज। विकास और प्रकाश पर्व मनाते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने रविवार को क्षेत्र के करीब आधा दर्जन से अधिक गाँवो के नागरिको की सुविधाओं के लिए विभिन्न विकास कार्यो की सौगाते देते हुए करीब 18 करोड़ से अधिक की निर्माण राशि के भूमिपूजन, शिलान्यास एवं लोकार्पण किए। इस दौरान उन्होंने साड़े सात करोड़ के तीन बिधुत सबस्टेशन सहित तीन करोड़ से अधिक की राशि से भौरिया गाँव की नदी पर निर्माणधीन नवीन पुल शामिल है। यह पुल बन जाने से मुगलसराय अशोकनगर गरेठा सहित अनेक गाँवो के नागरिकों को बरसात में आवागमन के लिए नदी चड़ने की समस्या से मुक्ति मिल सकेगी। इसके साथ ही अस्सी लाख की लागत से पामाखेड़ी से चाठोली होते हुए सिरोंज के रोहिलपुरा चौराहे तक डामरीकरण का कार्य शामिल है। पामाखेड़ी मार्ग से यह डामरीकरण हो जाने से चाठोली मार्ग भी सीधे अशोकनगर मार्ग से जुड़ जाएगा । दोपहर एक बजे पामाखेड़ी गाँव में विकासकार्यो कई आधारशिला रखने के उपरांत विधायक शर्मा सीधे ग्राम गरेठा पहुँचे थे यहाँ ढाई करोड़ के सब स्टेशन सहित करीब तीन करोड़ के विकास कार्यो की सौगात देते हुए आयोजित मंचीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उमाकांत शर्मा ने कहा कि आज जो यह प्रकाश और विकास पर्व सम्पन्न कर रहे है वह भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार की बदौलत तो हो ही रहे है। लेकिन ईमानदारी से इसका श्रेय कैलाशवासी हम सबके ह्रदय कमल स्व लक्ष्मीकांत शर्मा को जाता है उनके ही द्वारा क्षेत्र के संपूर्ण विकास का जो तानाबाना बुना था उन्ही अधूरे स्वप्न संकल्पों को पूरा करने में उनकी बनाई योजनाओं को धरातल पर साकार हम सब मिलकर कर रहे है। उन्होंने पुराने दौर को या करते हुए कहा कि एक जमाना था जब इस मार्ग पर आनाजाना बड़ा दुष्कर माना जाता था ज्बा लक्ष्मीकांत जी पहली बार विधायक चुने गए थे तब इस क्षेत्र के लोगो ने सड़के नही बल्कि एकमात्र धानोदा की पुलिया की माँग की थी लेकिन लक्ष्मीकांत जी ने केवल पुलिया बनबाई जैसे जैसे उनकी कलम में ताकत आती गई जन्होने पूरे क्षेत्र के एक एक गाँव को पक्की सड़क के माध्यम से शहर से जोडने का काम किया था। ओर लगातार हम इस दिशा में काम कर रहे है और यह सब सम्भव

हो रहा है भारतीय जनता पार्टी की संगठन की अंत्योदय के कल्याण की विचारधारा से सम्भव हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जो कहा वह करके दिखलाया है उन्होंने देश की जनता को नौ गारंटी ओर नौ आग्रह किए है पूरा देश के नागरिकों को नरेंद्र मोदी ने अपना परिवार माना है वही परिवारवाद से चलने वाली कांग्रेस सहित इंडी गठबंधन के नेता मोदी को अपमानित करने ओर देश को जाति धर्म मजहब के नाम पर बॉटने में लगे है । नरेन्द्र मोदी ने ज्बा से कश्मीर से धारा 370 हटाई है तब से वहाँ आतंकवाद का नाम नही सुनाई देता और अब वहां की जनता विकास के पथ पर प्रगतिवान समाज मे शामिल हो रही है। उन्होंने मंच से गुंडा तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा कि में सज्जन शक्ति की रक्षा में ओर सिरोंज लटेरी के विकास के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दूँगा। पूरे क्षेत्र की जनता मेरा परिवार है लक्ष्मीकांत जी ने भाजपा और जनता जनार्दन की सेवा करते हुए अपने प्राणों को त्याग दिया वेशे ही मेरी भी मनोकामना है कि में भी सिरोंज लटेरी की देवतुल्य जनता की सेवा करते हुए ही अपने प्राण त्यागू।

कार्यक्रम को भाजपा के जिला उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह दांगी, संजीव माथुर, भैरो सिंह कुर्मी ने भी संबोधित कर भाजपा सरकार की योजनाओं से ग्रामीणों को अवगत कराया वही एसडीएम हर्षल चौधरी ने भी सिरोंज की प्रगति में जनता के चुने हुए जनप्रतिनिधि के द्वारा विकास की बनाई गई योजनाओं को धरातल पर साकार करने में प्रशासन की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरयाब सिंह कुर्मी,मंडल अध्यक्ष झार सिंह दांगी, जनपद में विधायक प्रतिनिधि हमीर सिंह यादव,मोहर सिंह राजपूत,माधवी माथुर,रामपाल सिंह राजपूत,प्रवेंद्र सिंह दांगी, भैया लाल यादव एसडीओपी उमेश तिवारी सहित प्रशासन के अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण के साथ स्थानीय नागरिकगण उपस्थित रहे। गरेठा,पगरानी,इमलानी में बनेंगे सबस्टेशनरविवार को हुए 18 करोड़ से अधिक के विकास कार्यो की सौगातों में गरेठा सहित पगरानी ओर इमलानी के विधुत सबस्टेशन शामिल है

कांग्रेस नेताओं के प्रतिनिधि मंडल ने दिग्विजय सिंह से की मुलाकात,रावत समाज के लिए मांगा टिकट

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भितरवार। कांग्रेस के रावत समाज के नेताओं ने वरिष्ठ नेता गुलाब सिंह रावत के साथ राज्य सभा सदस्य पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से मुलाकात कर ग्वालियर लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा कर रावत समाज से टिकट देने की मांग कीकांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाब सिंह रावत ने बताया कि विधानसभा चुनाव में किसी राष्ट्रीय दल द्वारा रावत समाज को प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया और अब लोकसभा चुनाव में भी भाजपा द्वारा भारत सिंह कुशवाह को टिकट दिया गया है। इसलिए कांग्रेस पार्टी द्वारा रावत समाज से प्रत्याशी होना चाहिए अगर पार्टी चाहे तो मैं भी चुनाव मैदान में उतरने को तैयार हूं आपको बता दें कि ग्वालियर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत 8 विधानसभा सीट आती हैं। इन सभी आठ सीटों पर सामाजिक समीकरण को देखते हुए कांग्रेस लोकसभा चुनाव में गुलाब सिंह रावत पर दावा खेल सकती है, क्योंकि गुलाब सिंह रावत की पार्टी एवं लोकसभा क्षेत्र में साफ एवं स्वच्छ अब ईमानदार छवि है। गुलाब सिंह रावत का अपने लोकसभा क्षेत्र में व्यापक जन आधार हैं।

जीवन मजा लेने के लिए नहीं अपने निशान छोड़ने के लिए जियो- अखिलेश राय

दर्द ही हमारा है काव्य संग्रह के प्रकाशन में हमने देर कर दी– पंकज सुबीर

सीहोर। पूरी दुनिया में इन दिनों लोग सिर्फ मजे ले रहे हैं। लोगों का जीवन मजे में गुजर रहा है, लेकिन वो जन्म की सार्थकता सिद्ध नहीं कर पा रहे। जब तक हम जीवन की सार्थकता को नहीं समझेंगे। आने वाली पीढ़ी को हम क्या देकर जा रहे हैं। और इस दुनिया से जाने के बाद हम अपने निशान छोड़ कर जा रहे हैं या नहीं, हमने कुछ रचा, गढ़ा या सीखा नहीं तो हमें आने वाली पीढ़ी याद क्यों करेगी। साहित्यकार स्वर्गीय रमेश गोहिया जी की ये काव्य रचनाएं आने वाली पीढ़ी को सीख देंगी और वो हमेशा याद किए जाएंगे। यह बातें समाजसेवी अखिलेश राय ने मुख्य अतिथि के रूप में रविवार को बस स्टैंड के पास स्थित सम्राट कांप्लेकस के पीसी लैब में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में कहीं। शिवना प्रकाशन ने बीते दिनों शहर के दो कवियों स्वर्गीय रमेश गोहिया और जोरावर सिंह के काव्य संग्रह का प्रकाशन किया। जिसका विमोचन कार्यक्रम रविवार की सुबह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी अखिलेश राय मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विख्यात साहित्यकार पंकज सुबीर ने की। इस दौरान साहित्यकार पंकज सुबीर ने मुनीर नियाजी की गजल हमेशा देर कर देता हूं मैं की कुछ पंक्तियां पढ़ीं और कहा कि हमने भी देर कर दी। यदि दर्द ही हमारा है काव्य संग्रह स्वर्गीय रमेश गोहिया के दुनिया से अलविदा करने से पहले आ जाता तो अपने कृति को हाथ में लेने का सुख उन्हें मिल जाता। हम सब की देरी की वजह से उन्हें यह सुख नहीं मिल पाया। इसका हमें अफसोस है। कार्यक्रम में स्वागत भाषण के दौरान स्वर्गीय रमेश गोहिया के भाई पत्रकार रघुवर दयाल गोहिया ने कहा कि शिवना प्रकाशन हमारे छोटे से शहर में बड़ा काम कर रहा है। मेरे स्वर्गीय भाई ने गुरु-शिष्य परंपरा के तहत कई शिष्य शहर और आसपास के क्षेत्र में तैयार किए लेकिन शिवना ने पूरे देश में कई लेखक तैयार किए हैं। पंकज सुबीर तो नाम कमा ही रहे हैं उनके शिष्य भी बेहतरीन साहित्य गढ़ रहे हैं। समारोह में कवि जोरावर सिंह के काव्य संग्रह गीत संविधान के का विमोचन भी किया गया। इस दौरान कवि जोरावर सिंह ने उनके संग्रह और स्वर्गीय श्री गोहिया के काव्य संग्रह की एक-एक प्रतिनिधि रचना का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन आकाश माथुर ने किया।इसके पहले अतिथियों ने सुकवि स्व. रमेश गोहिया और मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया। अतिथि स्वागत शैलेंद्र गोहिया ने किया जो विशेष रूप से इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुंबई से आये थे।

भिंड जिले की कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है : डॉ. गोविंद सिंह

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने माफियाओं को उल्टा लटकाने की कहा है,पर मध्यप्रदेश में उल्टा हो रहा है

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिंड कलेक्टर एवं एसपी पर लगाये गम्भीर आरोप

नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से गृहमंत्री पद छोड़ने की मांग की

पीड़ित होटल संचालक विनोद जैन के घर पहुँचकर दी सांत्वना

जिले की कानून व्यवस्था नहीं सुधरी तो कांग्रेस पार्टी कलेक्ट्रेट का घेराव करेगी

भिण्ड । विगत दिनों में भिण्ड शहर के बीचों-बीच पन्ना होटल संचालक विनोद जैन पन्ना के पुत्र प्रणाम जैन की चार मंजिल पर पहुंच कर हत्या कर दी गई,जिले के अलग- अलग स्थानों पर हुई ताबड़तोड़ घटनाओं पर नाराजगी व्यक्त करते हुए नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने अपने निवास पर प्रेस कांफ्रेंस कर जिले के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सहित मध्यप्रदेश सरकार पर नाराजगी जताई।

डॉ. सिंह ने प्रेस वार्ता में कहा कि भिंड जिले सहित समूचे मध्यप्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है,उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में शहर कोतवाली के पास बेखौफ बदमाशों ने पन्ना होटल व्यवसायी विनोद जैन के घर में घुसकर उनके पुत्र प्रणाम जैन को चौथी मंजिल पर जाकर अपराधियों ने चाकू एवं 5 - 6 गोलियां मारकर हत्या कर दी,जिससे सम्पूर्ण नगर में दहशत का माहौल बना हुआ है।उन्होंने कहा कि अभी कुछ दिन पूर्व लहार क्षेत्र में एक बच्ची का रेप हुआ जिसमें अभी तक पुलिस कोई ठोस कार्यवाही नहीं कर सकी। भिंड शहर के बाजार में कट्टा अड़ाकर महिला से चेन लूट ली गई।डॉ. सिंह ने कहा कि कुछ ही दिनों में अपराधियों द्वारा अनगिनत घटनाओं को अंजाम दिया गया,लेकिन जिले के पुलिस कप्तान और उनकी पुलिस हाथ पर हाथ रखें बैठी है।नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने वार्ता में भिंड जिले के

कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव पर गम्भीर आरोप लगाते हुए कहा कि जिले के कलेक्टर और एसपी जिले की कानून व्यवस्था छोड़ भाजपा नेताओं के इशारों पर रेत माफियाओं एवं अपराधियों को संरक्षण देने का काम कर रहे हैं।डॉ. सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि श्री शाह ने प्रदेश में माफियाओं को उल्टा लटकाने की बोला था पर मध्यप्रदेश में उसका ठीक उल्टा हो रहा है।डॉ.सिंह ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से गृहमंत्री के पद से इस्तीफा देकर किसी दूसरे को गृहमंत्री बनाने की मांग की है।नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने जिला प्रशासन को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्द ही जिले की कानून व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई,और भाजपा नेताओं के संरक्षण प्राप्त रेत माफियाओं को नहीं रोका गया तो कांग्रेस पार्टी द्वारा कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा।प्रेस वार्ता में नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह के अलावा डॉ. राधेश्याम शर्मा, रणवीर सिंह भदौरिया,रामप्रकाश यादव,रामहर्ष सिंह कुशवाह,देवेंद्र सिंह,रामप्रकाश यादव,प्रदीप जैन गुड्डा,डा.अनिल भारद्वाज,शिशुपाल सिंह भदौरिया,संजय भूता,पिंकू राजावत आदि उपस्थित रहे।

भारतीय डाक विभाग के द्वारा मानस भवन शिवपुरी में आरोहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया | जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में

संवादाता हरिओम परिहार

मध्य प्रदेश डाक परिमंडल के मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल श्री विनीत माथुर उपस्थित रहे। एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में शिवपुरी जिला कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी उपस्थित थे। गुना डाक संभाग के द्वारा आयोजित किए गए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विनय श्रीवास्तव अधीक्षक डाकघर गुना के द्वारा की गई । 'आरोहण' जनसेवा की ओर बढ़ते कदम की थीम पर आयोजित यह प्रेरणादायक कार्यक्रम मुख्य पोस्टमास्टर जर्नल मध्य प्रदेश विनीत माथुर का प्रदेश में पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था। इससे पूर्व वह केंद्र सरकार में उपभोक्ता मंत्रालय में संयुक्त सचिव के पद पर प्रतिनयुक्ति पर थे और विगत सप्ताह में ही मध्य प्रदेश डाक परिमंडल में पदभार ग्रहण किये हैं । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने कहा कि गुना डाक संभाग प्रदेश में बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहा है एवं डाक संभाग के विभिन्न जिलों में जिला प्रशासन के सहयोग के साथ में न केवल केंद्र सरकार की बल्कि राज्य सरकार की योजनाओं का भी बेहतर क्रियान्वयन किया गया है । उन्होंने बताया कि बदलते हुए परिवेश में डाक विभाग नवीन इन्नोवेशंस, टेक्नोलॉजी, रचनात्मकता के साथ में बहुत ही प्रभावी तरीके से जन सेवा के लिए प्रतिबद्ध है । उन्होंने डाक बीमा योजनाओं एवं बेटियों के लिए सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ हर घर तक पहुंचाने पर जोर दिया । कलेक्टर शिवपुरी रविंद्र कुमार चौधरी ने डाक विभाग के विगत 1 वर्ष में किए गए विभिन्न कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि डाक विभाग ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर स्कीम्स के क्रियान्वयन में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया है । प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, लाडली बहना योजना, मनरेगा आदि में डाक विभाग के इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक बहुत अच्छा कार्य कर रहा है । इसके अलावा एपिक वितरण में शिवपुरी जिले में पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा एपिक कार्ड वितरित किए थे। आरोहण कार्यक्रम में संभाग के उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया एवं एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बदलते हुए डाक विभाग की तस्वीर को दिखाया गया । डाक योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए एक डाक चित्र कथा का भी विमोचन कार्यक्रम के दौरान किया गया । कार्यकम प्रमुख रूप से शिवपुरी के सहायक अधीक्षक मनोज प्रताप, निरीक्षक राजकुमार तोमर पोस्टमास्टर मलखान सिंह एवं संभाग के अन्य निरीक्षक कुशाग्र पाल, राहुल जैन भारतेंद्र खरे एवं शिवपुरी जिले के अंतर्गत आने वाली सभी डाकघर के शाखा डाकपाल उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन गौरव रघुवंशी निरीक्षक गुना के द्वारा किया गया ।

श्री बागवागेश्वर धाम चम्पावती(चांचौड़ा) में तीन दिवसीय मेले का आयोजन ।

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

चांचौड़ा प्राचीन काल में च्वन ऋषि की नगरी चम्पावती नगरी नाम विख्यात थी ऐसी किंवदंती है। बागवागेश्वर धाम में बोले नाथ का मंदिर है इस मंदिर में स्वयंभू शिवलिंग है।जिसे श्री वागीशनाथ के नाम से प्रसिद्ध है। जो कि वागीशनाथ के भक्त अपने प्रतिष्ठानो के श्री वागीशनाथ के नाम पर रखते हैं।प्रतिवर्षअनुसार श्री बागवागेश्वर धाम में तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया है। यहां मंदिर के समीप ही एक कुईया जल पीने से कई प्रकार के रोग सुधार होता है नगर के बहुत से लोग इस कुईया का जल प्रतिदिन पीने के लिए ले जाते है आज प्रातःकाल से क्षेत्र सहित राजस्थान के श्रृद्धालुओं का देर रात तक तांता लग रहेगा। रात्रि को वागीशनाथ का विशेष श्रृंगार कर महाआरती की जायेगी जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु भक्त दर्शन करेंगे। बागवागेश्वर मंदिर के करते हैं। यही पर स्थित प्रदेश में केवल मात्र एक भरतलाल जी का मंदिर भी है भरत लाल मंदिर की पूजा संत परिवार के महंत करते आ रहे हैं वर्तमान में महंत श्री रामबाबू जी संत भरतलाल पूजा करते हैं।बागवागेश्वर धाम के मेला परिसर में भक्तों द्वारा फलहारी खिचड़ी, पूड़ी सब्जी वितरण की जा रही है। नगर परिषद के द्वारा पार्किंग व्यवस्था मनोहर थाना रोड व मृगवास रोड़ के पास की जा रही है । जिससे कि मंदिर परिसर भीड़भाड़ न हो।

बीनागंज नगर में महाशिवरात्रि के दिनभोले बाबा की शोभा यात्रा में

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे व्यास

महाशिवरात्रि के दिनांक बीनागंज नगर भोले बाबा की शोभायात्रा निकाली गईमें निकल गई। परी व्यास शोभा यात्रा में लोहे की भारी तलवार महारानी लक्ष्मी बाई की वेशभूषा में शोभा यात्रा में लगभग 1 घंटे तक तलवार चलाई, साथ में साथ में विश्व महिला दिवस होने की वजह लोगों ने बहुत सराहना की और नगर में आकर्षण का केंद्र रहापरी से पूछा गया की तलवार चलाने की कला कहां से सीखी और कहां से कराई है परी ने बताया कि मेरी बड़ी बहन वंदना व्यास और तृप्ति व्यास ने सिर्फ एक दिन पूर्व चार-पांच घंटे अभ्यास करवाया था।परी व्यास कक्षा 10 की मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा है और इस वर्ष 2024 में मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर सिल्वर मेडलिस्ट है चार बार राज्य स्तरीय स्पर्धा में भाग ले चुकी है। परी से पूछा कि इसके पहले तुमने ऐसी तलवार चलाई थी क्या तो कहा कि नहीं पहली बार चलाई है पिछले रात मेरी बड़ी बहन वंदना व्यास और परिवार में चार-पांच घंटे में सिखाया है

जन अभियान परिषद द्वारा श्रद्धा शर्मा को किया सम्मानित

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वाधान में चल रही सीएम सीएल डीपी की क्लासों में द्वितीय वर्ष की छात्रा कुमारी श्रद्धा शर्मा को गीता दयनंदनी भेंट कर नवांकुर संस्था मातृभूमि जन कल्याण सेवा समिति ने सम्मानित किया कुमारी श्रद्धा शर्मा ने वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन करते हुए भाजपा युवा मोर्चा महामंत्री पिछोर के पद का दायत्व ग्रहण किया है जिसके लिए समस्त छात्र छात्रोंओ एवं परामर्शदाताओं एवं ब्लॉक समन्वयक द्वारा उन्हें बधाई देते हुए सम्मानित किया गया । पिछोर नवांकुर संस्था मातृभूमि जनकल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष ने कहा की मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के माध्यम से चल रही मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की कक्षाओं का उद्देश्य यह है की छात्र छात्राएं अपने अंदर नेतृत्व क्षमता इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विकसित करें और समाज में विभिन्न क्षेत्रों में जाकर राष्ट्रहित में कार्य करें श्रद्धा शर्मा ने कहा कि मुझे मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद से जो प्रेरणा मिली है मैं आगे समाज हित में समस्त ऊर्जाएं अपनी क्षमताएं राष्ट्रहित में समर्पित कर दूंगी

राजधानी में आयोजित होगा किसान महासम्मेलन, प्रेसवार्ता कर दी गई जानकारी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सम्मेलन में होंगे शामिल

कोरिया - राजधानी रायपुर में 9 मार्च को आयोजित होने वाले किसान महासम्मेलन को लेकर बैकुंठपुर भाजपा कार्यालय में प्रेसवार्ता कर दी गई जानकारी । प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल,बैकुंठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े,किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेश्वर रजक,जिला महामंत्री पंकज गुप्ता,जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण राजवाड़े उपस्थित रहे। उक्ताशय की जानकारी के संबंध में सर्व प्रथम जिला अध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल ने बताया की भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा आगामी 09 मार्च को राजधानी के राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान में किसान महा सम्मेलन होगा। महासम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में दो दिनों में मोर्चा की सभी जिला इकाइयों की बैठक रखी गई।किसान महा सम्मेलन को लेकर प्रदेश के किसानों में अभूतपूर्व उत्साह है। महा सम्मेलन में लाखों किसान अपने ट्रैक्टर व अन्य साधनों से पहुंचकर शिरकत करेंगे। महा सम्मेलन में प्रदेश की सभी मंडल इकाईयों का प्रतिनिधित्व होगा। किसान महा सम्मेलन में देश के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह,प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय,मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजकुमार चाहर समेत राष्ट्रीय पदाधिकारीयों का संबोधन होगा। प्रदेश के समस्त किसान भाइयों को इस सभा के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया की प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार ने किसानों के सर्वतोमुखी कल्याण के लिए अनेक योजनाओं को क्रियान्वित किया है। जिनमे मोदी की गारंटी के तहत भाजपा की प्रदेश सरकार ने कृषक उन्नति योजना को अमल में लाने की घोषणा की है। कृषक उन्नति योजना को तहत प्रदेश सरकार ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 31 सौ रूपए प्रति क्विंटल की दर से खरीदने का वादा पूरा किया है जिसका लाभ सीधे किसान भाइयों को हो रहा है। 12 मार्च को प्रदेश की भाजपा सरकार शुरू खरीफ सत्र की धान खरीदी की अंतर की राशि 917 रुपए प्रति क्विंटल की दर से करने जा रही है। इस वर्ष प्रदेश सरकार द्वारा 1.47 लाख मीट्रिक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी की गई है । भाजपा जब भी सत्ता में आई है, उसने गाँव, गरीब और किसान के हित का ही चिंतमन किया है। डॉ. रमन सिंह जी के मुख्यमंत्रित्व वाली पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने ही शून्य प्रतिशत ब्याज पर किसानों को ऋण मुहैया कराने का काम भी किया है। इसी प्रकार किसान क्रेडिट कार्ड बनाकर सेठ-साहूकारों के चंगुल से किसानों को मुक्ति दिलाने का काम भी भाजपा सरकार ने किया है। प्रेसवार्ता में बैकुंठपुर विधायक भईया लाल राजवाड़े ने बताया की प्रधानमंत्री श्री मोदी की केंद्र सरकार ने गन्ना किसानों को एक बड़ा तोहफा देते हुए 340 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गन्ना खरीदने का निर्णय लिया और पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 8 प्रतिशत अधिक राशि से गन्ना खरीदी की जा रही है । उसी तरह पीएम किसान सम्मान योजना के तहत केंद्र सरकार ने किसान सम्मान निधि की 16वीं किश्त जारी की है। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 38 लाख से ज्यादा किसानों के लिए 7 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा जारी हुए हैं । और छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनते ही किसानों के हित में बड़ा फैसला लिया गया और वादे के मुताबिक पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व. अटलबिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस के अवसर पर 13 लाख किसानों के खातों में 3,716 करोड़ रुपए दो साल के बकाया बोनस के तौर पर सीधे जमा किए गए। साथ ही स्व-सहायता समूहों को कृषि क्षेत्र से जोड़कर भाजपा की सरकार कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने के लिए क्रांतिकारी निर्णय ले रही है । प्रेसवार्ता में भाजपा किसान मोर्चा कोरिया जिला अध्यक्ष नरेश्वर रजक ने बताया की भाजपा सरकार ने किसानी के काम को लाभकारी बनाने की चिंता करके सिंचाई की सुविधाएँ बढाई और किसानों को सिंचाई पम्प उपलब्ध कराए और सिचाई का रकबा बड़ाया। किसानों की उन्नति, तरक्की और खुशहाली के लिए क्रांतिकारी खरीदने का वादा पूरा किया है जिसका लाभ सीधे किसान भाइयों को हो रहा है। फैसले के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार का हम अभिनंदन करते हैं। साथ ही उन्होंने ने जानकारी देते हुए बताया की भाजपा किसान मोर्चा द्वारा 12 फरवरी से 10 मार्च तक ग्राम परिक्रमा यात्रा की शुरुआत छत्तीसगढ़ में हो चुकी है। लगभग सभी जिलों में ग्राम पंचायत एवं मंडल स्तर तक कार्ययोजना बनाकर कार्यक्रम किया जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री श्री मोदी के 10 साल में किए गए किसान हित के कार्यों को किसानों तक पहुँचाकर लाभान्वित किया जा रहा है । साथ ही हमें सभी किसान भाइयों को परस्पर जोड़ना है और यह काम केवल भाजपा ही कर सकती है। भाजपा ही किसानों की भलाई के लिए सतत काम करती है। प्रदेश किसान मोर्चा के सभी कार्यकर्ता किसान महासम्मेलन के जरिए किसान भाइयों को जोड़कर किसान मोर्चा को मजबूत करेंगे।

महिला दिवस विशेष

या देवी सर्व भूतेषु शक्ति रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः

भारतीय संस्कृति में स्त्री को शक्ति स्वरूपा कहा जाता है। वैदिक संस्कृति के अनुसार तो,यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता ॥

अर्थात् जहाँ नारी का आदर किया जाता है वहाँ देवताओं का वास होता है।

महिला दिवस के अवसर पर हम प्रकाश डालते है महिला शक्ति और उनके अंदर विद्यमान अलौकिक गुणों पर। आज महिला, जीवन के हर क्षेत्र में अग्रसर है। हमारी राष्ट्रपति महामहिम द्रोपदी मुर्मू जी हैं। आज महिलायें डॉक्टर, इंजिनियर, पायलट, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी, सैन्य दल में अधिकारी आदि अनेक पदों पर आसीन हैं। इतना ही नही पूर्वकाल में जो सेवायें केवल पुरुषों द्वारा की जाती थीं उन क्षेत्रों में भी महिलाओं ने कौशल अर्जित किया है। भारतीय महिलाओं की प्रेरणा स्रोत आहिल्या, सीता, द्रौपदी, तारा, मंदोदरी इन पंच कन्याओं को प्रातः स्मरणीय और पूजन योग्य माना जाता है। वैदिक काल में अपने यजमान महर्षि याज्ञवल्क्य से आत्मज्ञान प्राप्त करने वाली मैत्रेयी, अपने मर्यादा पुरुषोत्तम के साथ 14 वर्ष का वनवास पूर्ण करने के बाद अग्नि में प्रवेश द्वारा अपने चारित्र का प्रमाण देनेवाली आदिशक्ति मां सीता, पावन पतिव्रता द्रोपदी, संपूर्ण जगत को शांति का संदेश देने वाले सम्राट अशोक की माता सुभद्रांगी, हिंदवी स्वराज के संस्थारंपक %छत्रपती शिवाजी महाराज की माता जीजाबाई, ताराबाई, अहिल्याबाई होल्कर, झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई , पद्मावती और इनके जैसी अनेक महिलायें हमारे लिये अनुसरणीय और पूजनीय है। आधुनिक समय में भी सावित्रीबाई फुले, पंडिता रमाबाई आदि प्रेरक व्यक्तित्व हुए हैं जिन्होंने महिला शिक्षा के लिए अद्भुत कार्य किया। आज के महिला दिवस पर हम शत-शत प्रणाम करते हैं, सहजयोग संस्थापिका श्री निर्मला श्रीवास्तव जी को, जिन्हें संपूर्ण विश्व श्री माताजी के नाम से जानता है । प.पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने 5 मई 1970 को कुंडलिनी जागरण द्वारा सामूहिक आत्मसाक्षात्कार देने की एक अभिनव पद्धति खोज निकाली. मानवीय जटिलताओं के बारे में गहन ध्यान कर, मानवीय उत्क्रांति में एक नया इतिहास रच दिया। श्री माताजी का संपूर्ण जीवन कृत्रिमता से परे स्त्री शक्ति की असीम क्षमताओं वह उनके उत्थान का अनुपम उदाहरण है। उपरोक्त वर्णित सभी महान महिलाओं ने अपने-अपने क्षेत्र में विशेष योगदान दिया परंतु साथ ही साथ स्त्री के मूल गुण व चारित्रिक विशेषताओं तथा स्त्रीत्व को भी पूर्ण रूप से सार्थक किया। श्री माताजी ने अपनी अमृतवाणी में स्त्री की विशेषताओं को इस प्रकार वर्णित किया है,सब से पहले हमें यह समझना चाहिए कि समाज पूर्ण रूप से गृहलक्ष्मी पर निर्भर है इसका अर्थ है कि एक घर की स्त्री का बड़ा उच्च चरित्र होना चाहिए, उसे सम्मानित व प्रतिष्ठित होना चाहिए। समाज उसकी जिम्मेदारी है।.. मैं समझती हूं कि उसकी जिम्मेदारी पुरुषों से कहीं अधिक कठिन व सूक्ष्म है और वह परिवार की शक्ति है।सहजयोग का अभ्यास हमें संतुलन स्थापित करना सिखाता है जो वर्तमान की कामकाजी महिलाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।सहजयोग से संबंधित जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में महिलाओं द्वारा साड़ी में किया गया उत्कृष्ट प्रदर्शन, दिया संदेश कि महिलाएं किसी से कम नहीं

कलेक्टर, जनप्रतिनिधियों और जिले की विभिन्न बालिकाओ और महिलाओ ने खेलों में उत्साहपूर्वक लिया भाग

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का बैडमिंटन मैदान सक्ती में हुआ आयोजन

संभाग ब्यूरो तुला राम सहीस

दैनिक मौरेना केसरी छत्तीसगढ़ सक्ती कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज जिले के बालिकाओ और महिलाओं को खेलो के प्रति प्रोत्साहित करने और बड़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता बैडमिंटन मैदान सक्ती में आयोजित किया गया । जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता 2024 सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में महिलाओं द्वारा विभिन्न खेल अंतर्गत साड़ी में खेलते हुवे उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया और संदेश दिया गया कि महिलाए किसी से कम नहीं। खेल प्रतियोगिता में आज कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना, अध्यक्ष जिला पंचायत जांजगीर चांपा श्रीमती यनीता यशवंत चंद्रा, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सक्ती श्रीमती सुषमा दादू जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती विद्या सिदार और जिले की विभिन्न बालिकाओ और महिलाओ ने खेल में उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता अंतर्गत आज बैडमिंटन मैदान सक्ती में कबड्डी, खो-खो, बैडमिंटन, एथलेटिक्स 100 मीटर दौड़, गोला फेंक, तवा फेंक, लम्बीकूद, रस्साकसी खेलो का आयोजन किया गया।इस अवसर पर जिले से विभिन्न स्कूलों की छात्र-छात्राएं, जिले के विभिन्न विभागों में कार्यरत महिला अधिकारियो कर्मचारियों व सक्ती जिले के चारो विकासखण्ड सक्ती, जैजैपुर, मालखरौदा एवं डभरा के बालिका और महिला प्रतिभागी ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओ में शामिल हुए और अपने हुनर का प्रदर्शन किया। अपने बीच जिला की मुखिया व जिला कलेक्टर को पाकर सभी नारी शक्ति अत्यधिक प्रसन्नचित हुई। कलेक्टर ने अपने उद्बोधन में कहा की सक्ती जिले की महिलाओं में बहुत शक्ति है।

संपादकीय

भारतीयों के साथ धोखा

भारतीयों का किसी विदेशी जंग में मारा जाना जितना दुखद है, उससे कहीं ज्यादा शर्मनाक है। दुखद इसलिए कि भारतीयों को युद्ध लड़ने के लिए मजबूर किया गया और शर्मनाक इसलिए कि हम भारत से अपने युवाओं के पलायन या विदेश यात्रा की निगरानी ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। बहरहाल, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने देर से ही सही, कदम उठाया है और आकर्षक नौकरियों के बहाने भारतीय युवाओं को रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में भेजने की साजिश में शामिल एक प्रमुख मानव तस्कर नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। सीबीआई ने दिल्ली, तिरुवनंतपुरम, मुंबई, अंबाला, चंडीगढ़, मदुरै और चेन्नई में अनेक ठिकानों पर तलाशी ली है। दरअसल, ऐसे लोगों पर शिकंजा कसना आज समय की बड़ी मांग है। अनेक वीजा सलाहकार कंपनियों और एजेंटों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं, तो इन सभी के बारे में लोगों को सब कुछ पता होना चाहिए, ताकि वे सतर्कता बरतें। काश! इन धोखेबाज कंपनियों पर पहले ही शिकंजा कसा जाता, तो आज अनेक युवा असुरक्षा का शिकार होने से बच जाते। सीबीआई की सक्रियता तब सामने आई है, जब विदेशी जंग के मोर्चे पर भारतीयों के मारे जाने की खबर आने लगी है। हैदराबाद के 30 वर्षीय मोहम्मद अफसान के यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध में मारे जाने के बाद खासतौर पर जागरूकता बढ़ी है। अफसान को धोखे से रूसी सेना में शामिल किया गया था। एक सप्ताह पहले सूरत के हामिल मंगुकिया की भी मौत विदेशी मोर्चे पर हुई है। सबसे दुखद बात है कि रूस ने मौत की पुष्टि की है, लेकिन युवक को विदेश भेजने वाला एजेंट अभी भी लोगों को बरगलाने में जुटा है। ऐसे एजेंटों पर प्रशासन अगर पूरी सख्ती से शिकंजा कसे, तो ही लोगों के बीच सही संदेश जाएगा। अफसान और हामिल जैसे युवा सैकड़ों में हो सकते हैं। विगत समय में कई नौजवानों को रूस में मोटी तनख्वाह के साथ रोजगार का झूठा आश्वासन दिया गया है और बताया गया है कि उनके जीवन को कोई खतरा नहीं है। एजेंटों ने इन युवाओं से लाखों रुपये लेकर रूस भेजा है। कथित रूप से वहां इन युवाओं को दो विकल्प दिए गए हैं या तो दस साल की जेल स्वीकार करें या फिर सेना में शामिल हो जाएं। जाहिर है, ज्यादातर युवाओं ने कैद के बजाय सैन्य सेवा को चुना है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब और हरियाणा के रहने वाले सात युवाओं के एक समूह ने भारतीय अधिकारियों से सहायता के लिए गुहार लगाई है। इन नौजवानों का भी आरोप है कि उन्हें रूसी सैन्य सेवा में शामिल करके धोखा दिया गया है। जहां तक भारत सरकार या विदेश मंत्रालय का संबंध है। पिछले महीने ही रूसी सेना में सहायक भूमिकाओं के लिए भारतीय नागरिकों की भर्ती की खबरें सामने आने के बाद विदेश मंत्रालय ने चेतावनी जारी की थी। रूसी अधिकारियों के समक्ष भी मामला उठाया गया था। रूसी अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया जाना चाहिए कि उनके यहां सेना में भारतीयों का कतई इस्तेमाल न हो। भारत अनेक बार युद्ध की खिलाफत कर चुका है। रूस में अगर जवानों की कमी होने लगी है, तो उसे युद्ध से पीछे हटना चाहिए। किसी भी अन्य देश के जवानों के बल पर युद्ध जारी रखना अनैतिकता, बर्बरता और जघन्य युद्ध अपराध से कम नहीं है। यूक्रेन-रूस युद्ध में शामिल भारतीयों की संख्या भले नगण्य हो, पर विश्व स्तर पर ऐसी किसी भी भर्ती साजिश को नाकाम करने की दिशा में भारत को पुख्ता कोशिशें करनी चाहिए।

छल से युद्ध में बलि

निश्चित रूप से यह तंत्र की विफलता व मानवीय मूल्यों का पराभव है कि कुछ एजेंट बेरोजगार भारतीय युवाओं को सब्जबाग दिखाकर यूक्रेन युद्ध के लिये रूसी सेना में व युद्धरत इस्राइल में तोपों का चारा बना रहे हैं। यूक्रेन युद्ध में कुछ भारतीयों के फंसने व इस्राइल में हिजबुल्लाह के हमले में केरल के एक युवक के मरने की खबर भी आई है। यह कैसी विडंबना है कि भारतीय एजेंट नौकरी के बहाने और अंधेरे में रखकर बेरोजगारों को रूसी सेना के लिये युद्ध में धकेल दें और हमारे नीति-नियंताओं को उसकी भनक भी न लगे। मानवीय मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा देखिए, भारत के ही चंद एजेंट विदेशों में बैठे एजेंटों की मदद से चंद रुपयों के लिये भारतीय युवाओं को मौत के मुंह में धकेल रहे हैं। पिछले दिनों हैदराबाद के मोहम्मद असफान के यूक्रेन युद्ध में मरने की खबर आई। कुछ दिन पूर्व भारतीय अधिकारियों ने भी स्वीकार किया कि रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे बीस भारतीय युवाओं को बचाने के प्रयास किये जा रहे हैं। कहा गया कि इस बाबत विदेश मंत्रालय उन्हें भारत लाने का प्रयास कर रहा है। फंसे युवकों ने मास्को स्थित भारतीय दूतावास से बचाने की गुहार लगाई है। इन युवाओं में कुछ युवक पंजाब व हरियाणा के भी हैं। बताया जाता है कि रूस भेजे युवकों को एजेंटों द्वारा अच्छी नौकरी का प्रलोभन दिया गया। लेकिन उन्हें नहीं बताया गया था कि वे सेना में भर्ती होने जा रहे हैं। बताया जाता है कि एक यूट्यूबर द्वारा लगातार दावा किया जा रहा था कि नौकरी में मोटी तनख्वाह दी जाएगी और एक साल बाद उन्हें रूस की नागरिकता दे दी जाएगी। कहा यह भी जा रहा है कि दो साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध में सैनिकों के संकटों से जूझ रहे रूस द्वारा कुछ भारतीय व विदेशी एजेंटों के मार्फत बेरोजगारों को झांसा देकर रूस ले जाने की योजना बनायी गई। बताया जा रहा है कि बाबा ब्लॉग्स यूट्यूब चैनल ने तमाम ऐसे वीडियो डाले, जिनमें रूसी सेना में सहायक की नौकरी आकर्षक सुविधाओं के साथ देने की बात कही गई थी। यह भी कि एक खाड़ी देश के रास्ते रूस ले जाए गए इन युवाओं से रूसी भाषा में एक एग्रीमेंट पर साइन कराए गए जिसके बाद उन्हें यूक्रेन की सरहद पर भेज दिया गया। उसके बाद उनके घर वालों से भी उनका कोई संपर्क नहीं हो सका। बताते हैं कि पंजाब व हरियाणा के कई युवाओं ने वीडियो अपने रिश्तेदारों को भेजकर मदद की गुहार लगाई है। दरअसल, भारत, दुबई व रूस में बैठे एजेंटों के बीच मिलीभगत से युवा इस जाल में फंसे। खबरें ये भी हैं कि एजेंटों ने युवाओं से नौकरी देने के लिये कई लाख भी वसूले हैं। कुछ युवाओं का कहना था कि टूरिस्ट वीजा पर रूस जाने पर पुलिस ने बिना वीजा के प्रवेश के आरोप में पकड़ लिया और रूसी सेना को सौंप दिया।

अबकी बार, 400 पार के लिए भाजपा के कितने खेवनहार?

लेखक- अशोक भाटिया

भारतीय जनता पार्टी अबकी बार, 400 पार का नारा देकर लोकसभा चुनाव में जाने को तैयार है। उत्तरप्रदेश में राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी), बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) जैसे पुराने सहयोगी फिर से एनडीए में वापसी कर चुके हैं तो वहीं तेलगु देशम पार्टी (टीडीपी), बीजू जनता दल (बीजेडी) जैसी पार्टियां भी गठबंधन में वापसी की कगार पर हैं। भाजपा 400 सीटों के टारगेट तक पहुंचने के लिए राज्य दर राज्य अपना और गठबंधन का कुनबा बढ़ाती जा रही है।

सीटें कम हैं, साथी ज्यादा हैं और इस वजह से बिहार से लेकर महाराष्ट्र तक एनडीए के लिए सीट बंटवारा सिरदर्द बन गया है। लोकसभा सीटों के लिहाज से सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में भाजपा के साथ जयंत चौधरी की पार्टी आरएलडी, ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा, संजय निषाद की निषाद पार्टी, अनुप्रिया पटेल की अपना दल सोनेलाल गठबंधन में हैं। 80 सीटों वाले उत्तरप्रदेश में चार सहयोगियों को भाजपा ने छह सीटों पर एडजस्ट कर दिया। पार्टी इसी तरह का फॉर्मूला अन्य राज्यों में भी लागू करना चाहती है लेकिन समस्या यह है कि हर राज्य की परिस्थितियां अलग हैं और इस वजह से बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में पेच फंस रहा है। बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं और भाजपा समेत एनडीए में छह पार्टियां शामिल हैं। एनडीए में भाजपा के साथ चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास (एलजेपीआर), पशुपति पारस के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोकजनशक्ति पार्टी (आरएलजेपी), उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम), जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) और नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडीयू शामिल हैं। अब समस्या यह है कि 2019 के चुनाव में भाजपा के साथ जेडीयू और एलजेपी ही थे। अब पेच यह है कि एलजेपी दो दलों में बंट गई और दोनों दल एनडीए में हैं ही, उपेंद्र कुशवाहा और मांझी की पार्टियां भी एनडीए में आ चुकी हैं।

पशुपति और चिराग, दोनों ही चाचा-भतीजा 2019 के फॉर्मूले पर छह-छह सीटें मांग रहे हैं। पशुपति हाजीपुर सीट छोड़ने को तैयार नहीं हैं तो वहीं चिराग भी इस सीट से अपनी मां रीना पासवान को चुनाव लड़ाना चाहते हैं। उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी काराकट और सीतामढ़ी सीट के लिए दावा कर रही है तो वहीं मांझी की पार्टी अपने लिए गया सीट चाहती है। ये तीनों ही सीटें 2019 के चुनाव में जेडीयू जीती थी। जेडीयू को सीटिंग सीटें छोड़ने के लिए कैसे तैयार किया जाए? सहयोगियों को एडजस्ट करने के बाद भाजपा -जेडीयू के लिए बचेगा क्या?

महाराष्ट्र में भाजपा के साथ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का गठबंधन है। शिंदे अपनी पार्टी के लिए 2019 के फॉर्मूले को आधार बनाकर 23 सीटें मांग रहे हैं तो वहीं अजित भी 10 सीटों पर दावेदारी कर रहे हैं। अमित शाह ने हाल ही में मुख्यमंत्री शिंदे और अजित पवार के साथ ही महाराष्ट्र भाजपा के नेताओं के साथ भी बैठक की थी जिसके बाद यह फॉर्मूला सामने आया था कि भाजपा 32, शिंदे की पार्टी 10 और अजित पवार की पार्टी को तीन सीटें मिल सकती हैं। बाकी बची तीन तीन सीटों पर भी शिंदे और अजित पवार की पार्टी के नेताओं को चुनाव लड़ाया जा सकता है।

अब पेच यह है कि पिछले चुनाव में शिवसेना के 18 उम्मीदवार सांसद निर्वाचित हुए थे। इनमें से 13 सांसद शिंदे के साथ आ गए। पांच सांसद उद्धव ठाकरे की पार्टी के साथ ही रह गए। अब पेच यही है कि अगर शिंदे को 10 सीटें ही मिलती हैं तो तीन अन्य सीटिंग सांसदों का क्या होगा? अजित के साथ भी यही समस्या है। अगर वह कम सीटों पर मान जाते हैं तो उनके साथ आए नेता कहीं शरद पवार के पाले में न चले जाएं, एनसीपी को यह आशंका है। इसके ठीक उलट, भाजपा को लगता है कि दोनों ही दल फुल स्ट्रेंथ के साथ नहीं आए हैं। ऐसे में इनको 15 से 18 सीटों पर एडजस्ट कर दिया जाए, जितनी सीटें पिछली बार शिवसेना जीती थी।

आंध्र प्रदेश में भाजपा और टीडीपी में गठबंधन की चर्चा के बीच सीट शेयरिंग फॉर्मूला भी सामने आ गया है। सूबे में लोकसभा की 25 सीटें हैं और टीडीपी पवन कल्याण की जनसेना को पहले ही तीन सीटें दे चुकी है। चंद्रबाबू नायडू ने भाजपा को पांच सीटें ऑफर की हैं। टीडीपी खुद बाकी 17 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। हालांकि, इसे लेकर अभी आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है।

दूसरी तरफ, ओडिशा में भाजपा अधिक लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। भाजपा 14 सीटों पर दावा कर रही है लेकिन यहां दिक्कत यह है कि बीजेडी ने 2019 के चुनाव में 12 सीटें जीती थीं। क्या बीजेडी अपनी पांच सीटिंग सीटें भाजपा के लिए छोड़ने और 24 साल से जिस राज्य की सत्ता में है, वहां छोटे भाई की भूमिका स्वीकार करने को तैयार होगी? एनडीए का कुनबा बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार दौरे कर कर रहे है ।5 मार्च को ओडिशा के दौरे पर थे और उसी दिन सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक की जयंती भी थी। प्रधानमंत्री ने बीजू बाबू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इसे अपना सौभाग्य बताया और लगे हाथ मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को अपना मित्र कहकर संबोधित किया, जमकर तारीफ की। इसके बाद से ही यह कयास लगाए जा रहे थे कि क्या नीतीश कुमार की जेडीयू, जयंत चौधरी की आरएलडी के बाद अब बीजू जनता दल (बीजेडी) की भी पुराने गठबंधन में वापसी होने वाली है?

हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में बीजेडी ने भाजपा उम्मीदवार अश्विनी वैष्णव का समर्थन किया था। इसे नवीन पटनायक की पार्टी की ओर से गठबंधन के लिए भाजपा को सॉफ्ट सिग्नल की तरह देखा गया। प्रधानमंत्री मोदी के हालिया दौरे के दौरान उनकी नवीन पटनायक के साथ दिखी केमिस्ट्री ने इस चर्चा को और हवा दे दी। अब दोनों दलों का गठबंधन तय बताया जा रहा है लेकिन सवाल भी उठ रहे हैं कि 2000 से ही ओडिशा का पावर सेंटर बने रहे नवीन पटनायक को 15 साल बाद अब आखिर फिर से गठबंधन की जरूरत क्यों पड़ रही है?

दरअसल, नवीन पटनायक 2000 से ही ओडिशा के मुख्यमंत्री हैं। भाजपा और कांग्रेस जैसी पार्टियां बीजेडी की 24 साल पुरानी सरकार के खिलाफ एंटी इनकम्बेंसी को वोट के रूप में कैश कराने की कोशिश में हैं। बीजेडी की अंगुली पकड़कर 2009 तक चलती रही भाजपा के लिए ओडिशा में सबसे बड़ा संकट नेतृत्व का था। पार्टी ने रणनीतिक रूप से धर्मेंद्र प्रधान और अश्विनी वैष्णव के रूप में दो मजबूत नेता खड़े किए ही, जुएल ओराम, जय बैजयंत पांडा, मनमोहन सामल जैसे नेताओं को भी आगे किया।

बीजेडी ने साल 2009 के चुनाव से पहले भाजपा से गठबंधन तोड़ने का ऐलान किया था। 2009 में भाजपा को 15.1 फीसदी वोट शेयर के साथ छह सीटों पर जीत मिली थी और तब से अब तक, चुनाव दर चुनाव पार्टी का ग्राफ बढ़ा है। बीजेडी 2009 में 38।9 फीसदी वोट शेयर के साथ 146 सदस्यों वाली विधानसभा में 103 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी लेकिन 2014 और 2019 चुनाव के एक ट्रेंड ने पटनायक की पार्टी की टेंशन बढ़ा दी। भाजपा का ग्राफ चुनाव दर चुनाव चढ़ा है। 2014 और 2019 के ओडिशा चुनाव के आंकड़ों पर गौर करें तो बीजेडी का वोट शेयर बढ़ा जरूर है लेकिन मामूली ही सही, सीटें घटी हैं।

साल 2014 में बीजेडी का वोट शेयर पांच फीसदी इजाफे के साथ 43.9 फीसदी पहुंच गया और 117 सीटें जीतकर पार्टी ने फिर से सरकार बना ली। 26 फीसदी वोट शेयर के साथ 16 सीटें जीतकर कांग्रेस दूसरे और भाजपा 18।2 फीसदी वोट शेयर के साथ 10 सीटें जीतकर तीसरे स्थान पर रही थी। 2014 की हार के बाद भाजपा ने ओडिशा में सक्रियता बढ़ा दी। नतीजा 2019 के विधानसभा और लोकसभा, दोनों ही चुनाव में देखने को भी मिला। भाजपा 32।8 फीसदी वोट शेयर के साथ 23 सीटें जीतकर दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और कांग्रेस 16।3 फीसदी वोट के साथ नौ सीटें जीत तीसरे स्थान पर खिसक गई। बीजेडी का वोट शेयर 1।3 फीसदी इजाफे के साथ 45 फीसदी के पार पहुंच गया लेकिन पिछले चुनाव के मुकाबले पांच सीटें कम हो गईं।

बीजेडी ने 2014 के लोकसभा चुनाव में 44.8 फीसदी वोट शेयर के साथ 21 में से 20 सीटें जीती थीं। तब भाजपा 21.9 फीसदी वोट शेयर के साथ एक सीट ही जीत सकी थी। 2019 में बीजेडी का वोट शेयर 43.3 फीसदी पर आ गया और पार्टी को 2014 के मुकाबले आठ सीट का नुकसान उठाना पड़ा वहीं इसके ठीक उलट भाजपा का वोट शेयर बढ़कर 38.9 फीसदी पहुंच गया और पार्टी की सीटें भी एक से बढ़कर आठ हो गईं। तब से अब तक बहुत कुछ बदल चुका है। बीजेडी में नवीन पटनायक के बाद कौन? उत्तराधिकार का सवाल और गहरा हुआ है। (वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार लेखक 5 दशक से लेखन कार्य से जुड़े हुए हैं, पत्रकारिता में वसई गौरव अवार्ड से सम्मानित)

राजस्थान में कांग्रेस उतारेगी हैवीवेट प्रत्याशी

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

कांग्रेस पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव में राजस्थान के लिए अभी किसी प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है। जबकि भाजपा ने 25 में से 15 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। कांग्रेस चुनाव समिति की तरफ से अभी तक देश भर में कुल 39 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई है। आने वाले एक-दो दिनों में कांग्रेस पार्टी द्वारा कई अन्य प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की जाने वाली है। जिसमें राजस्थान के प्रत्याशियों के नाम भी शामिल होने की बात कही जा रही है। राजस्थान में प्रत्याशियों के नाम की घोषणा में देरी के पीछे कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदेश में दो क्षेत्रीय दलों से चुनावी गठबंधन करने की संभावना को बताया जा रहा है।

राजस्थान में पिछले दो बार से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का खाता भी नहीं खुल पाया था। प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटों पर दोनों बार भाजपा के प्रत्याशी जीते थे। मगर इस बार के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ऐसे प्रत्याशियों को मैदान में उतरना चाहती है जो भाजपा प्रत्याशियों को कड़ी टक्कर तो देंगे ही साथ ही प्रदेश में जीत का खाता भी खोल सकेंगे। तीन महीने पहले विधानसभा चुनाव में हार चुकी कांग्रेस पार्टी के पास अब प्रदेश में खोने को कुछ नहीं बचा है।

ऐसे में कांग्रेस के केंद्रीय नेताओं का मानना है कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस करो या मरो की नीति पर चलते हुए पूरी ताकत के साथ चुनाव लडेगी। इसी श्रृंखला में कांग्रेस के सभी प्रदेश स्तरीय बड़े नेताओं को भी चुनाव मैदान में उतार जायेगा। हालांकि कांग्रेस के कई बड़े नेता लोकसभा चुनाव लड़ने में आनाकानी कर रहे हैं। मगर कांग्रेस आलाकमान ने जिस तरह से छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को मैदान में उतारा है। उसको देखकर लगता है कि अब राजस्थान में भी कांग्रेस के बड़े नेताओं को चुनाव लड़ना ही पड़ेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता माने जाते हैं। मगर उनके गृह क्षेत्र जोधपुर में दो बार से लगातार कांग्रेस हार रही है। पिछली बार तो उनके पुत्र वैभव गहलोत भाजपा के केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से करीबन 3 लाख से अधिक मतों से चुनाव हार गए थे। इसलिए इस बार कांग्रेस आलाकमान स्वयं अशोक गहलोत को जोधपुर से चुनाव मैदान में उतारने जा रहा है। अशोक गहलोत जोधपुर से पांच बार सांसद तथा जोधपुर संसदीय क्षेत्र के ही सरदारपुर से छठी बार विधायक बने हैं। ऐसे में अशोक गहलोत के खुद के चुनाव लड़ने से चुनावी मुकाबला कांटे का होने की संभावना जताई जा रही है। अशोक गहलोत के लोकसभा चुनाव लड़ने का असर प्रदेश की अन्य लोकसभा सीटों पर भी पड़ेगा और कांग्रेस पार्टी मजबूत होगी।

इसी तरह कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट को टोंक-सवाई माधोपुर सीट से चुनाव मैदान में उतर जाएगा। पायलट अभी टोंक से विधायक है तथा पूर्व में दौसा व अजमेर से सांसद रह चुके हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को सीकर लोकसभा सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा। डोटासरा सीकर लोकसभा क्षेत्र के लक्ष्मणगढ़ से चौथी बार विधायक का चुनाव जीते हैं। पिछली गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे गोविंद राम मेघवाल को बीकानेर सुरक्षित सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा।

पूर्व मंत्री मुरारीलाल मीणा को दौसा संसदीय सीट से चुनाव लड़वाया जाएगा। पिछली बार उनकी पत्नी सविता मीणा को टिकट दिया गया था जो भाजपा की जसकौर मीणा से 78444 वोटो से चुनाव हार गई थी। अजमेर से पूर्व सांसद व पूर्व मंत्री रघु शर्मा को चुनाव लड़वाये जाने की चर्चा चल रही है। रघु शर्मा इस बार केकड़ी से विधानसभा चुनाव हार गये हैं। बाड़मेर से पूर्व मंत्री हरीश चौधरी को चुनाव लड़वाया जा सकता है। हरीश चौधरी अभी विधायक भी है तथा पूर्व में बाड़मेर से सांसद भी रह चुके हैं।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को राजसमंद से चुनाव लड़वाया जा सकता है। सीपी जोशी पिछला विधानसभा चुनाव नाथद्वारा सीट से हार चुके हैं। वह पूर्व में कई बार विधायक व भीलवाड़ा से सांसद, केन्द्र सरकार में मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय महासचिव भी रह चुके हैं तथा राजस्थान कांग्रेस में बड़े नेता माने जाते हैं। कोटा से पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को चुनाव लड़वाने की चर्चा चल रही है। धारीवाल वर्तमान में कोटा उत्तर से विधायक है तथा पूर्व में कोटा से सांसद, कोटा के जिला प्रमुख व कई बार मंत्री रह चुके हैं।

झालावाड़ सीट से पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया का नाम चर्चाओं में है। उदयपुर सीट से रघुवीर मीणा को चुनाव लड़वाने की चर्चा है। हालांकि रघुवीर मीणा पिछले कई चुनाव हार चुके हैं मगर फिर भी वह उदयपुर से कांग्रेस के सबसे मजबूत उम्मीदवार के तौर पर उभरे हैं वह पूर्व में उदयपुर से सांसद हुए कई बार विधायक रह चुके हैं। महेंद्रजीत सिंह मालवीय के भाजपा में जाने के बाद बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट पर मौजूदा विधायक नानालाल निभाना की दावेदारी मजबूत हो रही है। हालांकि कांग्रेस भारतीय आदिवासी पार्टी से गठबंधन पर चर्चा कर रही है। यदि गठबंधन होता है तो बांसवाड़ा सीट कांग्रेस को छोड़नी पड़ेगी।

जयपुर शहर से कांग्रेस अल्पसंख्यक समाज के विधायक सलीम कागजी को चुनाव लडवा सकती है। कागजी दूसरी बार विधायक बने हैं तथा कांग्रेस में बड़े अल्पसंख्यक चेहरे हैं। अलवर से कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह का चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है। जितेंद्र सिंह पूर्व में अलवर से सांसद, विधायक व केंद्र सरकार में मंत्री रह चुके हैं। भीलवाड़ा से पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट तथा पाली से दिव्या मदेरणा को चुनाव लड़वाया जाएगा। झुंझुनू में पूर्व मंत्री विजेंद्र ओला को चुनाव लड़वाया जाएगा। विजेंद्र ओला के पिता शीशराम ओला झुंझुनू से लगातार पांच बार सांसद व केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे थे। विजेन्द्र ओला अभी झुंझुनू से चौथी बार विधायक है तथा गहलोत सरकार में राज्य मंत्री थे। चूरू से भाजपा के सांसद राहुल कस्वां को कांग्रेस प्रत्याशी बन सकती है। राहुल कस्वां का भाजपा ने टिकट काट दिया है। राहुल कस्वां दूसरी बार चूरू से सांसद हैं। उनके पिता रामसिंह कस्वां चार बार चूरू से सांसद व राजगढ़ से विधायक रह चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस चाहती है कि राहुल कस्वां कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े।

राजस्थान में कांग्रेस हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी तथा भारतीय आदिवासी पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन कर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को मजबूत कर चुनाव लड़ना चाहती है। हनुमान बेनीवाल नागौर व बाड़मेर सीट तथा भारतीय आदिवासी पार्टी बांसवाड़ा-डूंगरपुर तथा उदयपुर सीट मांग रही है। ऐसे में कांग्रेस के बड़े नेता दोनों प्रादेशिक पार्टियों के नेताओं से बात कर गठबंधन को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। राजस्थान में दोनो क्षेत्रीय पार्टियों से गठबंधन होने की घोषणा के साथ ही कांग्रेस अपने प्रत्याशियों के नामों की सूची भी जारी कर देगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

कांग्रेस मुक्त भारत करते-करते भाजपा का कांग्रेसमय हो जाना

(लेखक-डॉ हिदायत अहमद खान)

राजनीति में कुछ भी स्थाई नहीं होता। आज जो सरकार में हैं कल उन्हें विपक्ष में भी बैठना पड़ सकता है और जो सरकार बनाने की सोच तक नहीं रखते उन्हें जनता-जनार्दन सत्ता की बागडोर सौंप शासन करने का हुक्म सुना देती है। बहरहाल यहां हम जनता के फैसले की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि राजनीतिक दलों और उनके नेताओं के बीच वर्तमान में जो घट रहा है, यहां उस पर मंथन करने और नतीजा निकालने का प्रयास किया गया है। दरअसल वर्तमान में ऐसे सियासी हादसे नजरों के सामने से गुजरे हैं, जिन्हें देखकर लगता ही नहीं है कि अब राजनीतिक दलों के अपने कोई सिद्धांत भी काम कर रहे हैं और उनकी अपनी कोई सुचिता भी बची हुई है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि जिन्होंने कांग्रेस मुक्त भारत की शपथ ली वही अपनी पार्टी को कांग्रेसमय करते नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साल 2013 में जब लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा की अभियान समिति के प्रमुख बनाए गए तो उन्होंने कांग्रेस मुक्त भारत का आह्वान कर तमाम सोये हुए नेताओं को जगा दिया था। इस कथित युद्धघोष ने भाजपा कार्यकर्ताओं को सत्ता पर काबिज होने का मंत्र दे दिया था। इसके साथ ही भाजपा ने जहां लोकसभा चुनाव में बेहतरीन प्रदर्शन कर सरकार बनाने में सफलता अर्जित की वहीं राज्य दर राज्य कांग्रेस को उखाड़ फेंकने में भी वह कामयाब होती दिखी है। भाजपा की इस मुहिम में कौन कितना सहभागी बना यह भी अलग बात है, क्योंकि इसे लेकर आरोप-प्रत्यारोप के जो अलग-अलग दौर चले हैं, उसमें भी सच्चाई तलाशने और किसी परिणाम तक पहुंचने में खासा समय लग सकता है। वैसे कहा यही जाता है और काफी हद तक सही भी यही है कि जहां आग होती है वहीं धुंआ उठता है।

कांग्रेस मुक्त भारत की मुहिम बहुत तेजी से चली लेकिन कब यह कांग्रेसमय भाजपा में तब्दील हो गई, खुद पार्टी नेताओं को इसका एहसास तक नहीं हुआ। अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या भाजपा सचमुच कांग्रेस मुक्त भारत चाहती है या खुद को कांग्रेस जैसा बनाने में लगी हुई है। ऐसा इसलिए भी कह सकते हैं, क्योंकि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में अल्पसंख्यकों के साथ तुष्टिकरण का जो खेल खेला उसने उन्हें रसातल पर पहुंचा दिया है, जैसा कि भाजपा दावा भी करती है। इसी तर्ज पर पिछले एक दशक से भाजपा ने बहुसंख्यक तुष्टिकरण का खेल खेलना शुरु कर दिया है। इसका परिणाम भी अब साफ देखने को मिलने लगा है। कांग्रेस की रणनीति जम गई इसलिए भाजपा नेतृत्व आंख बंद कर कांग्रेस के कथित कद्दावर नेताओं से लेकर छोटे-मोटे कार्यकर्ताओं को भी पार्टी में एंट्री करवाने के लिए जी-जान से जुटी हुई है। इस मुहिम में यह भी नहीं देखा जा रहा है कि भाजपा में जिन कांग्रेस नेताओं को शामिल किया जा रहा है वो खुद अपने क्षेत्र में कितना प्रभाव रखते हैं। सवाल तो यह भी उठ रहा है कि ये अवसरवादी दल-बदलु नेता यदि इतना ही प्रभाव रखते तो क्या वो खुद अपने दम पर चुनाव जीतकर विधानसभा या लोकसभा तक नहीं पहुंच गए होते। इनका अपना राजनीतिक कैरियर पहले ही समाप्त प्राय- हो गया है और येन-केन-प्रकारेण ये खुद को नेता साबित करने में जोड़-तोड़ कर रहे हैं। अब चूंकि कांग्रेस नेतृत्व इनकी हकीकत जान चुका है अत- ऐसे नेताओं पर जमीनी स्तर पर कार्य करने का दबाव भी पड़ा है, जिस कारण ये बगलें झांकते नजर आए हैं। ऐसे में ये दल-बदल कर शर्म भी महसूस नहीं कर रहे हैं। जब ये मुखौटा बदल जनता के बीच जाते हैं तो मतदाता खुद इनके मुंह में कहता दिखता है, कि शर्म तुमको मगर आती नहीं, जो यहां यूं चले आते हैं। एक तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से पार्टी के मूल सिद्धांत को प्रमाणित करने में लगे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके अपने कथित नेता व कुछ कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव से पहले यूं पार्टी छोड़ अन्य दलों का दामन थामते नजर आ रहे हैं जैसे कि कोई पानी का जहाज डूब रहा हो और उसके अंदर रहने वाले चूहे जान बचाने के उपक्रम में समंदर में ही कूदे चले जा रहे हों। कहा यह भी जा रहा है कि ऐसे नेताओं को पार्टी में शामिल करना स्वयं भाजपा के लिए नुकसानदेह साबित होने वाला है।

सच पूछा जाए तो ये वो नेता नहीं हैं जिनके नाम और काम से जनता वोट देती है, बल्कि ये तो वो लोग हैं जो टिकट बंटवारे से लेकर पार्टी में कौन सक्रिय रहेगा और कौन हासिये पर जाएगा, इसका मार्ग प्रशस्त करते हैं।

ये खरीद-फरोख्त तो बेहतर तरीके से कर सकते हैं, लेकिन जमीनी फायदा पार्टी को नहीं पहुंचा सकते हैं। इसलिए जब-जब केंद्रीय नेतृत्व और आला दर्जे के नेताओं ने चुनाव पूर्व कांग्रेस का माहौल बनाया, उसे ये नेता वोट में भी कन्वर्ट नहीं कर सके और पार्टी को शर्मनाक हार का मुंह देखना पड़ा है। अब जबकि ये कांग्रेसमय भाजपा बनाने वहां पहुंच गए हैं तो इससे भाजपा के समर्पित और प्रतिष्ठित कहे जाने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी खासी दिक्कत हो सकती है। पार्टी की खातिर ये इनका मुखर होकर विरोध तो नहीं करेंगे, लेकिन सहयोग करने से भी गुरेज जरुर करेंगे।

नए साल में पर्दे पर धमाल मचाएंगी ये नई जोड़ियां

नए साल की शुरुआत हो चुकी है, जिसे लेकर आम लोग ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड सितारे भी काफी उत्साहित हैं। एक ओर वे नए साल के जश्न में डूबे हुए हैं तो वहीं नए साल पर अपनी नई फिल्मों के लिए भी उत्सुक हैं। यह नया साल बॉलीवुड सितारों के साथ-साथ दर्शकों के लिए भी काफी खास होगा। इस साल कई बेहतरीन फिल्में रिलीज होने के लिए कतार में लगी हुई हैं तो वहीं फिल्मों में दर्शकों को नई जोड़ियों का मसाला देखने को मिलेगा।

दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन

साल 2024 की शुरुआत सिद्धार्थ आनंद की फाइटर में दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन की सिजलिंग केमिस्ट्री से होगी। यह फिल्म 25 जनवरी, 2024 को रिलीज होने वाली है। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित यह फिल्म भारत की पहली एरियल एक्शन फ्रेंचाइजी मानी जा रही है। इस फिल्म के जरिए ऋतिक और दीपिका पहली बार साथ में दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे।

कटरीना कैफ-विजय सेतुपति

इस लिस्ट में अगला नाम कटरीना कैफ और विजय सेतुपति का है। रिलीज की तारीख में कई बदलावों के बाद मेरी क्रिसमस आखिरकार 12 जनवरी, 2024 को रिलीज होगी। यह फिल्म कटरीना और विजय की दिलचस्प जोड़ी को पहली बार एक साथ लाएगी। श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म का भी दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है।

शाहिद कपूर और कृति सेनन

शाहिद कपूर और कृति सेनन भी इस लिस्ट में शामिल हैं। दिनेश विजान द्वारा निर्मित अनाम फिल्म में शाहिद और कृति पहली बार साथ नजर आएंगे। यह रोमांटिक ड्रामा अब पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में है। यह जोड़ी ऐसी है जिसे लेकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। फिल्म का नाम अभी सामने नहीं आया है।

विक्की कौशल-रश्मिका मंदाना

जरा हटके जरा बचके के बाद लक्ष्मण उतेकर एक बार फिर विक्की कौशल को छावा में निर्देशित करेंगे, जिसमें रश्मिका मंदाना भी हैं। यह फिल्म 6 दिसंबर, 2024 में रिलीज होगी। दर्शक अभी से विक्की और रश्मिका की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री देखने के लिए उत्साहित हैं।

अक्षय कुमार और राधिका मदान

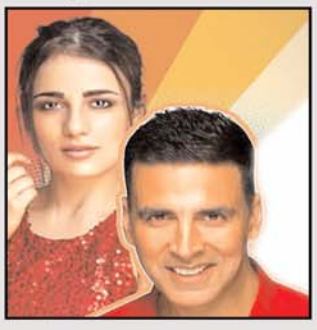

तमिल फिल्म सोरारई पोटरु की आधिकारिक हिंदी रीमेक में अक्षय कुमार और राधिका मदान की जोड़ी दिखेगी। दोनों पहली बार इस फिल्म के लिए पर्दे पर साथ नजर आएंगे। दर्शकों को इस जोड़ी का भी बेसब्री से इंतजार है।

जान्हवी कपूर-जूनियर एनटीआर

जान्हवी कपूर भी इस साल पहली बार साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के साथ नजर आएंगी। दोनों की जोड़ी देवरा में जमेगी। यह फिल्म दो भागों में रिलीज होगी। फिल्म का पहला भाग पांच अप्रैल 2024 को रिलीज होगा।

धर्मा प्रोडक्शन की द बुल के लिए सलमान की खास तैयारी , फिल्म के लिए बदलेंगे अपना लुक

फिल्म द बुल में अपने लुक्स में बदलाव के लिए सलमान तैराकी के साथ अलग किस्म के योग का अभ्यास भी करेंगे। फिल्म में रोल के हिसाब से खुद को फिट करने के लिए वे सर्किट ट्रेनिंग और पैरामिलिट्री ट्रेनिंग भी लेंगे। साल 2023 सलमान खान के लिए काफी खास रहा है। उनकी फिल्म टाइगर 3 सुपरहिट हो चुकी है। दर्शकों ने सलमान के इस एक्शन थ्रिलर फिल्म को बहुत प्यार दिया है। सलमान खान इन दिनों एक बार फिर सुर्खियां में आ गए हैं। वजह है उनकी नयी फिल्म द बुल की शूटिंग शुरू होने वाली है। फिल्म द बुल से जुड़ी कई खबरें इन दिनों हेडलाइंस बन रही हैं, उन्हीं में से एक है सलमान खान का अपने लुक्स के साथ एक्सपेरिमेंट करने वाली खबर भी तेजी से वायरल हो रही है। सलमान बदलेंगे लुक्स सलमान खान अपनी हर फिल्म में अलग लुक्स के साथ नजर आते हैं, जिसके लिए सलमान खूब मेहनत भी करते हैं। पिछले दिनों मीडिया में खबर आई थी कि सलमान फिल्म द बुल के लिए अपना वजन कम करेंगे। इतना ही नहीं इस फिल्म में अपने लुक्स में बदलाव के लिए सलमान तैराकी के साथ अलग किस्म के योग का अभ्यास भी करेंगे। फिल्म में रोल के हिसाब से खुद को फिट करने के लिए वे सर्किट ट्रेनिंग और पैरामिलिट्री ट्रेनिंग भी लेंगे।

धर्मा प्रोडक्शन बना रही द बुल

सलमान खान की फिल्म द बुल को विष्णु वर्धन डायरेक्ट करेंगे। इससे पहले विष्णु वर्धन ने सुपर हिट फिल्म शेरशाह को निर्देशित किया था। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पहले द बुल को कोई और प्रोडक्शन हॉउस बनाने वाला था, जिसमें शाहिद कपूर की होने की बात कही गई थी। अब इस फिल्म का निर्माण धर्मा प्रोडक्शन कर रही है और इसमें सलमान खान अहम भूमिका निभाएंगे।

असल जिंदगी से प्रेरित है फिल्म

सलमान खान फिल्मों में अपने एक्शन रोल के लिए जाने जाते हैं। द बुल में भी वे एक्शन करते दिखाई देने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो फिल्म में सलमान खान ब्रिगेडियर फारुख बुलसारा की भूमिका निभाएंगे। द बुल, ब्रिगेडियर फारुख बुलसारा की जिंदगी से प्रेरित फिल्म है। ये वही बुलसारा हैं जिन्होंने वर्ष 1998 में मालदीव में हुए आपरेशन कैक्टस को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। दर्शकों में अभी से ही सलमान को फिल्म द बुल में देखने के लिए अलग उत्साह बन रहा है।

हंसल मेहता ने मनोज बाजपेयी के साथ काम करने के तरीके पर की बात

बॉलीवुड इंडस्ट्री के मशहूर निर्माता हंसल मेहता अपने काम के साथ-साथ अपने बयानों को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। उन्होंने सिटीलाइट्स, शाहिद, अलीगढ़, दस कहानियां और दिल पे मत ले यार जैसी कई अन्य फिल्मों को निर्देशित किया है। साल 2000 में बनी फिल्म दिल पे मत ले यार में उन्होंने मनोज बाजपेयी के साथ काम किया था। हाल ही में, एक इंटरव्यू में निर्माता ने अभिनेता के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। इसके अलावा उन्होंने मनोज बाजपेयी को मूडी बताया।

मनोज बाजपेयी को लेकर कही यह बात

निर्माता ने दिल पे मत ले यार में मनोज बाजपेयी के साथ काम करने के बारे में बात की। उन्होंने कहा, मुझे उन लोगों के साथ काम करने में आनंद आता है, जो मेरे साथ सही से काम करते है। उन लोगों में से राजकुमार राव एक हैं। उन्होंने मनोज बाजपेयी के बारे में बात करते हुए कहा, मनोज का मूड बहुत ज्यादा बदलता रहता है। मैंने वर्ष 2000 में फिल्म दिल पे मत ले यार बनाई थी। इस फिल्म में मुझे उनके साथ काम करने में काफी कठनाईयों का सामना करना पड़ा था। उनका व्यवहार थोड़ा अलग है। सेट पर लोग उनसे दूर भागते थे।

मुडी हैं मनोज बाजपेयी

हंसल मेहता ने आगे कहा, मनोज बुरे इंसान नहीं हैं, लेकिन वे मूडी हैं। उन्होंने कहा, जब हम फिल्म में साथ काम कर रहे थे, तो मैं बहुत चिढ़ जाता था। हालांकि, मैं उनसे पूछता था कि तुम ऐसा व्यवहार क्यों कर रहे हो? वे कुछ नहीं बोलते थे और अपनी भूमिका निभाकर चले जाते थे।

मनोज बाजपेयी का वर्कफंट

मनोज बाजपेयी के वर्कफंट की बात करें, तो अभिनेता मनोज बाजपेयी कॉमेडी क्राइम ड्रामा किलर सूप में कोंकणा सेन शर्मा के साथ दिखाई देंगे। यह सीरीज अभिषेक चौबे के जरिए निर्देशित व सह-लिखित और हनी त्रेहान और चेतना कौशिक द्वारा निर्मित है। अभिनेता की वेब सीरीज 11 जनवरी 2024 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इसके अलावा अभिनेता द फैमिली मैन के बहुप्रतीक्षित तीसरे सीजन में भी दिखाई देंगे। साल 2015 में मनोज बाजपेयी और हंसल मेहता ने फिल्म अलीगढ़ के लिए सहयोग किया था। वहीं, हंसल मेहता, करीना कपूर खान अभिनीत द बकिंघम मर्डर्स रिलीज करने के लिए तैयार हैं।

खुशी कपूर का नाम वेदांग रैना के साथ जोड़ना चाहती हैं जान्हवी कपूर

फिल्म निर्माता और निर्देशक करण जौहर के टॉक शो कॉफी विद करण 8 के नए एपिसोड में अभिनेत्री खुशी कपूर और जान्हवी कपूर शामिल हुईं। पहली बार दोनों बहनें एक साथ करण के शो में दिखीं। इस दौरान जान्हवी ने अपनी बहन खुशी को इंडस्ट्री में किसी के साथ उनका नाम जोड़ने करने की बात कही। जान्हवी ने कहा कि वे खुशी के लिए वेदांग रैना को चुनेंगी। रैपिड-फायर राउंड के दौरान करण ने जान्हवी से पूछा कि अगर आप खुशी को इंडस्ट्री से किसी के साथ सेट कर सकती हैं तो वह कौन होगा? इस पर जान्हवी ने जवाब दिया कि वेदांग प्यारे हैं। वे सुंदर हैं। वे प्यारे लगते हैं। उनके पास एक अच्छी वाइब है। इतने में खुशी मुस्कुराई और उन्होंने जान्हवी की बातों पर सिर हिलाया। इससे पहले एपिसोड के दौरान करण ने खुशी से पूछा था कि क्या उन अफवाहों में कोई सच्चाई है कि वह वेदांग रैना को डेट कर रही हैं। उन्होंने कहा था कि यह झूठ है। यह सच नहीं है। उन्होंने वेदांग को अपना दोस्त बताया था। वहीं, एपिसोड के रिलीज होने से एक दिन पहले वेदांग को खुशी, जान्हवी, बोनी कपूर और शिखर पहाड़िया के साथ नए साल का जश्न मनाने के बाद मुंबई लौटते हुए देखा गया। हालांकि, वेदांग ने भी पहले डेटिंग की अफवाहों का खंडन किया था। अभिनेता वेदांग ने साक्षात्कार में अफवाहों के बारे में बात की थी और कहा था कि वे और खुशी सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। उन्होंने कहा था कि खुशी और मैं कई स्तरों पर जुड़े हुए हैं। संगीत में हमारी रुचि एक जैसी थी। खुशी और मैं डेटिंग नहीं कर रहे हैं। मेरा उसके साथ बहुत मजबूत रिश्ता है। हम एक-दूसरे को बहुत लंबे समय से जानते हैं और हम अच्छे दोस्त हैं। द

फिल्मों की ओटीटी रिलीज पर अनुभव सिन्हा ने दी प्रतिक्रिया

अनुभव सिन्हा का कहना है कि बॉक्स ऑफिस पर हर किस्म की फिल्मों को प्रतिक्रिया नहीं मिलती है। हालांकि, उनका मानना है कि बॉक्स ऑफिस पर न चलने वाली कुछ फिल्में ओटीटी पर शानदार प्रदर्शन करती हैं। जाने-माने निर्देशक अनुभव सिन्हा हाल ही में फिल्मों की ओटीटी रिलीज पर बात करते नजर आए। बीते वर्ष अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी फिल्म भीड़ रिलीज हुई। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने खास प्रदर्शन नहीं किया। अनुभव सिन्हा को उम्मीद थी कि ये फिल्म ओटीटी पर बढ़िया प्रदर्शन करेगी। निर्देशक का कहना है कि ऐसी तमाम फिल्में हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छी नहीं चलीं, लेकिन ओटीटी पर खूब चलीं।

योजना में कर रहे बदलाव?

अनुभव सिन्हा का कहना है कि बॉक्स ऑफिस पर हर किस्म की फिल्मों को प्रतिक्रिया नहीं मिलती है। अनुभव सिन्हा से हाल ही में एक बातचीत के दौरान जब पूछा गया कि ऐसे समय में जब अब तमाशा सिनेमा थिएटर्स में दर्शकों को काफी आकर्षित कर रहा है, क्या रा.वन और दस जैसी कमर्शियल फिल्में बनावे वाले अनुभव सिन्हा आगामी फिल्मों की प्लानिंग में फिर ऐसे सिनेमा में वापसी करेंगे? इस पर उन्होंने जवाब दिया कि, हां, लेकिन सिर्फ उन फिल्मों के लिए जिन्हें मैं निर्देशित कर रहा हूं।

किसी को नहीं पता दर्शकों की पसंद!

अनुभव सिन्हा ने आगे कहा, जिन फिल्मों को मैं प्रोड्यूस या डायरेक्ट नहीं करता, उन्हें मैं कंट्रोल नहीं करता। आप आगे चलकर मेरे द्वारा निर्देशित फिल्मों में अंतर देखेंगे। यह दर्शकों को क्या चाहिए पर आधारित नहीं होगा, बल्कि मैंने क्या गलत किया? इस पर आधारित है। निर्देशक का कहना है, देखिए, दर्शकों को क्या चाहिए, ये किसी को कभी पता नहीं चलेगा। जो कहते हैं कि उन्हें समझ आ गया, वे झूठ बोल रहे हैं।

ओटीटी पर दी ये प्रतिक्रिया

अनुभव सिन्हा ने कहा, ये सभी खोखले सिद्धांत हैं। आप दर्शकों का अनुमान नहीं लगा सकते हैं। अनुभव सिन्हा का कहना है कि फिल्म के संदेश से समझौता किए बिना एक शानदार फिल्म बनाना ही महत्वपूर्ण है। और अगर कोई फिल्म थिएटर में बेहतर प्रदर्शन नहीं करती है तो वह ओटीटी पर अच्छी चलेगी। मेरा मानना है कि इस समय दर्शकों ने थिएटर में नहीं, बल्कि ओटीटी पर फिल्म देखना पसंद किया है। हालांकि, ऐसा कोई नियम नहीं बना है। इस तरह का कोई नियम नहीं है। न ही कोई ऐसा नियम बनेगा।

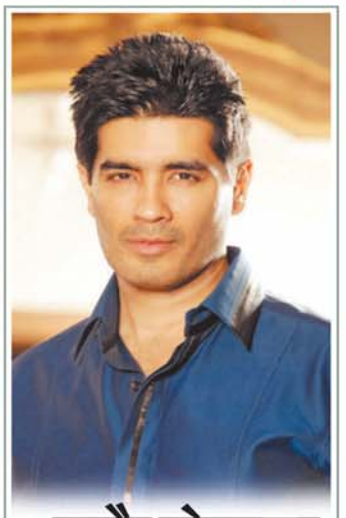

बतौर प्रोड्यूसर मनीष मल्होत्रा ने अनाउंस की तीसरी फिल्म

फेमस सेलेब्रिटी फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने नए साल की शुरुआत एक बड़े अनाउंसमेंट के साथ की है। मंगलवार को मनीष ने अपने बैनर तले नई फिल्म अनाउंस की है। इस फिल्म का टाइटल 'ऊल जलूल इश्क' है। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, विजय वर्मा, फातिमा सना शेख और शारिब हाशमी लीड रोल में नजर आएंगे। इसकी कहानी विभु पूरी ने लिखी है और वो ही इसे डायरेक्ट भी करेंगे। मनीष इस फिल्म को प्रोड्यूस करेंगे और यह 9 जनवरी से फ्लोर पर जाएगी। मनीष ने फोटोज शेयर कर की अनाउंसमेंट सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए मनीष ने लिखा, 'बेवकूफियां, नादान गलतियां, बड़ी भूल है इश्क ; सच पूछिए तो मेरे हुजूर ऊल जलूल है इश्क। अपने प्रोडक्शन हाउस की तीसरी फिल्म अनाउंस करते हुए बहुत खुशी हो रही है। 9 जनवरी से नसीर साहब, विजय वर्मा, फातिमा और शारिब जैसी टैलेंटेड कास्ट इसकी शूटिंग शुरू करेंगी। गुलजार साहब और विशाल भारद्वाज के साथ काम करना सम्मान की बात है।'

बतौर प्रोड्यूसर मनीष की तीसरी फिल्म है 'ऊल जलूल इश्क'

मनीष ने पिछले साल सितंबर में अपने प्रोडक्शन हाउस, स्टेज 5 प्रोडक्शंस की अनाउंसमेंट की थी। अपने बैनर तले वो पहले ही दो फिल्में 'ट्रेन फॉम छपरौला' और 'बन टिक्की' की अनाउंसमेंट कर चुके हैं। बतौर प्रोड्यूसर 'ऊल जलूल इश्क' मनीष की तीसरी फिल्म है।

मीना कुमारी की बायोपिक पर भी कर रहे काम

फिल्म 'ट्रेन फॉम छपरौला' की अनाउंसमेंट मनीष ने सितंबर 2023 में की थी। इसमें दिव्येंदु शर्मा, राधिका आप्टे और अनुराग कश्यप एक्टिंग करते नजर आएंगे। वहीं एक्ट्रेस टिस्का चोपड़ा ने इसे लिखा और डायरेक्ट किया है। वहीं फिल्म 'बन टिक्की' में शबाना आज्मी और अभय देओल लीड रोल में होंगे। यह लीजेंड्री एक्ट्रेस जीनत अमान की कमबैक फिल्म होगी। मनीष को लेकर चर्चा है कि वो बॉलीवड की मशहूर दिवंगत एक्ट्रेस मीना कुमारी की बायोपिक भी बनाने वाले हैं। कृति सेनन स्टारर इस फिल्म से वो डायरेक्टोरियल डेब्यू करेंगे।

कांग्रेस को बड़ा झटका: पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी सहित कई दिग्गज हुए भाजपा में शामिल

भोपाल।

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी,पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजूखेड़ी पूर्व विधायक द्वय संजय शुक्ला और विशाल पटेल सहित 15 नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया है। शनिवार को सुबह प्रदेश भाजपा कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव,पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने उपरोक्त नेताओं को भाजपा में शामिल कराया। मध्यप्रदेश के पूर्व सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व विधायक समेत कांग्रेस के 12 से अधिक नेता भाजपा में शामिल हो गए। भोपाल से पूर्व सांसद सुरेश पचौरी के साथ इंदौर के संजय शुक्ला और विशाल पटेल जैसे कई नेताओं ने शनिवार को भाजपा का दामन थाम लिया। सभी कांग्रेस नेताओं ने भोपाल में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की मौजूदगी में एक बैठक में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के जाने से लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी को बड़ा नुकसान होगा। बीजेपी प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश पचौरी और राजूखेड़ी के अलावा कांग्रेस नेता संजय शुक्ला, विशाल पटेल, अर्जुन पलिया और भोपाल कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष कैलाश मिश्रा भी शनिवार को अल सुबह ही प्रदेश भाजपा कार्यालय पहुंच गए थे।संजय और विशाल कांग्रेस के लोकप्रिय नेताओं में से एक हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में दोनों ही नेताओं ने भाजपा नेताओं को हराकर जीत हासिल की थी। कमलनाथ सरकार में दोनों ही नेताओं की खासी लोकप्रियता रही। कांग्रेस विधायक रहते हुए संजय शुक्ला ने इंदौर विधानसभा एक में कई बड़े काम करवाए। देपालपुर में विशाल पटेल ने भी अपना खास प्रभाव छोड़ा था। कांग्रेस नेता संजय शुक्ला और विशाल पटेल धनवान नेताओं में शामिल हैं। दोनों के पुश्तैनी व्यापार और जमीन जायदाद हैं। संजय शुक्ला भाजपा के वरिष्ठ नेता विष्णु प्रसाद शुक्ला के बेटे हैं और उनका ट्रैवल्स, ट्रांसपोर्ट का मुख्य कारोबार है। विशाल का खेती और जमीनों का मुख्य व्यापार है। संजय शुक्ला ने भाजपा से जुड़ने के बाद कहा कि भाजपा मेरा परिवार था और मैं अब वापस अपने

परिवार में आ गया हूं। मुझे उस वक्त बहुत बुरा लगा जब राम मंदिर का आमंत्रण कांग्रेस ने ठुकराया था। अब मैं बीजेपी में रहकर जनता की सेवा करूंगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन वास्तव में एक नया इतिहास बनने में जा रहा है। वैसे तो हम सबको आहट थी कि जहां-जहां राहुल गांधी जाते हैं, वहां कांग्रेस के काम करने के तरीके का असर आता है। अच्छे स्थापित स्वच्छता के साथ राजनीति करने वाले मन की भावना के आधार पर काम करने वाले नेता हर दल के अंदर होते हैं। लेकिन, साफ सुधरी राजनीति करने वालों को काम करने के लिए अनुकूलता देना, मौका देना यह नेतृत्व पर निर्भर करता है। यह दुर्भाग्य की बात है कि कांग्रेस का नेतृत्व ऐसे स्वच्छ और साफ सोच के साथ राजनीति करने वाले नेता जो देश के विकास के लिए राजनीति करते हैं उनको निराश करता है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री सिंह ने सपरिवार देखी आर्टिकल 370 फिल्म

नई दिल्ली ।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने सिनेमाहाल में सपरिवार जाकर आर्टिकल 370 फिल्म देखी। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि यह फिल्म समस्या की ''जटिलता'' और उसके ''चुनौतीपूर्ण समाधान को दर्शाती है। केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा, आज दिल्ली के एक सिनेमाहाल में सपरिवार जाकर आर्टिकल 370 फिल्म देखी। इस फिल्म की प्रशंसा काफी लोगों से सुनी थी। यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और बहुत ही प्रभावी तरीके से जम्मू कश्मीर से धारा 370 को हटाने के घटनाक्रम को प्रस्तुत करती है। उन्होंने लिखा, यह फिल्म दिखाती है कि यह समस्या कितनी जटिल और समाधान कितना चुनौतीपूर्ण था। साथ ही यह फिल्म महिला सशक्तिकरण का भी अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करती है। मैं इस फिल्म के निर्माता-निर्देशक एवं सभी कलाकारों को प्रभावी प्रस्तुतिकरण के लिए बधाई देता हूं। केंद्र सरकार ने पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को रद्द कर जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त कर दिया था। साथ ही उसे केंद्रशासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के रूप में विभाजित कर दिया था। यह फिल्म 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले 23 फरवरी को रिलीज हुई, जिसमें अभिनेत्री यामी गौतम मुख्य भूमिका निभा रही हैं।

बहनजी ने फिर दोहराया....तीसरे मोर्चे की खबरें अफवाह, अकेले चुनाव लड़ रही बसपा

लखनऊ ।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने दम पर लड़ने का अपना पुराना स्टैंड फिर दोहराया है। उन्होंने चुनावी गठबंधन या तीसरे मोर्चे की बातों को अफवाह बताया। मायावती ने कहा कि बहुजन समाज के हित में बीएसपी का अपने दम पर चुनाव लड़ने का फैसला अटल है। बसपा मुखिया मायावती ने एक्स पर लिखा, बीएसपी देश में लोकसभा का चुनाव अपने बलबूते पर पूरी तैयारी व दमदारी के साथ लड़ रही है। इसके बाद चुनावी गठबंधन या तीसरा मोर्चा आदि बनाने की अफवाह फैलाना यह घोर फेक व गलत न्यूज है। मीडिया ऐसी शरारतपूर्ण खबरें देकर अपनी विश्वसनीयता न खोए। लोग भी सावधान रहें। उन्होंने कहा कि यूपी में बीएसपी की काफी मजबूती के साथ अपने दम पर चुनाव लड़ने के कारण विरोधी लोग काफी बैचेन लगते हैं। इसीलिए ये आए दिन किस्म-किस्म की अफवाहें फैलाकर लोगों को गुमराह करने का प्रयास करते रहते हैं। किन्तु बहुजन समाज के हित में बीएसपी का अपने दम पर चुनाव लड़ने का फैसला अटल है।

सियासी दावे : भाजपा गठबंधन जगन को नहीं रोक सकता

अमरावती।

आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने कहा कि अगर सभी दल एक साथ आ जाएं, तब भी वे मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी की एक और जीत को नहीं रोक पाएंगे। भाजपा और तेलुगु देशम-जन सेना गठबंधन के बीच सीट बंटवारे पर समझौते की खबरों के बीच, वाईएसआरसीपी महासचिव सज्जला रामकृष्ण रेड्डी ने कहा कि गठबंधन के लिए उनके बेताब प्रयास उनकी कमजोरी और जगन मोहन रेड्डी की ताकत को दर्शाते हैं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, चाहे वे कुछ भी करें, हमें 50 प्रतिशत से अधिक लोगों का समर्थन प्राप्त है और इसलिए अगर वे एक साथ आते हैं तो भी जीत हमारी होगी। टीडीपी अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू और जन सेना नेता पवन कल्याण ने गुरुवार को सीट बंटवारे पर चर्चा के लिए नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे.पी.नड्डा से मुलाकात की।

रामकृष्ण रेड्डी ने दावा करते हुए कहा, टीडीपी वेंटिलेटर पर है। जन सेना की कोई मौजूदगी नहीं है और हर कोई जानता है कि राज्य में भाजपा को कितने वोट मिले। यह सब देखने के बाद, उनके गठबंधन का परिणाम स्पष्ट हो जाएगा। लोग उनकी विफलता की राजनीति को समझ गए हैं। यह दावा करते हुए कि वाईएसआरसीपी स्पष्ट योजनाओं और अनुशासन के साथ चुनाव के लिए तैयार है, लेकिन अन्य दल छात्रों की तरह हैं जिन्होंने तैयारी भी शुरू नहीं की है, उन्होंने भविष्यवाणी की कि प्रतिद्वंद्वी खेमे में आने वाले दिनों में सीटों के

लिए अधिक असंतोष और अंदरूनी कलह देखने को मिलेगी। रामकृष्ण रेड्डी ने, जो सार्वजनिक मामलों पर सरकार के सलाहकार भी हैं, कहा कि टीडीपी प्रमुख हमेशा किसी की मदद लेने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, यह हर बार काम नहीं करता है। उन्होंने 2009 में गठबंधन बनाया लेकिन वह सफल नहीं हुए। इस बार, उन्होंने एक अलग चाल अपनाई है। वह न केवल भाजपा को बल्कि कांग्रेस को भी नियंत्रित कर रहे हैं। वह सभी को एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं।उनके प्रयास जगन की ताकत और उन्हें प्राप्त जनता के समर्थन को साबित करते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि चंद्रबाबू नायडू की सलाह से कांग्रेस की प्रदेश प्रमुख और जगन मोहन रेड्डी की बहन वाई.एस. शर्मिला किराये पर एक पार्टी चला रही हैं जो पहले ही दिवालिया हो चुकी है।

बड़ा सवाल-

क्या दो चुनाव आयुक्त करा सकेंगे लोकसभा चुनाव?

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है। तब तीन सदस्यों वाले चुनाव आयोग में दो ही सदस्य बचे हैं। आयोग में फिलहाल मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ही हैं। तीसरे चुनाव आयुक्त अनूप पांडेय 15 फरवरी को रिटायर हो चुके हैं। हालांकि, सरकार ने तीसरे आयुक्त की तैनाती के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है लेकिन इस बात की संभावना कम ही है कि आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले ये नियुक्ति हो सकेगी। ऐसी स्थिति में दो सदस्यीय चुनाव आयोग को ही लोकसभा चुनाव कराने होंगे। अगर ऐसा होता है तो 2024 का लोकसभा चुनाव 1996 के बाद पहला ऐसा चुनाव होगा, जब दो चुनाव आयुक्त ही मतदान की तारीखों का ऐलान भी करेंगे और चुनाव भी संपन्न कराएंगे। 1950 में गठित भारत का निर्वाचन आयोग 1990 में तीन सदस्यों वाला आयोग बन गया था और तब से अब तक कुल आठ बार लोकसभा का चुनाव करा चुका है। 2024 का चुनाव नौवां चुनाव होगा। नियमानुसार चुनाव की तारीखों का ऐलान होने से पहले अगर सरकार ने तीसरे चुनाव आयुक्त की नियुक्ति नहीं की तो आदर्श आचारसंहिता लागू हो जाने के बाद इसके लिए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से इजाजत लेनी होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही कानून तीन सदस्यीय चुनाव आयोग का प्रावधान करता है, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि चुनाव कराने के लिए तीन सदस्य होने ही चाहिए। इससे पहले दो बार 1999 और 2009 में लोकसभा चुनावों के दौरान ही तीन सदस्यों वाले आयोग में एक सदस्य कम पड़ गए थे। ऐसा बीच चुनाव आयुक्तों के रिटायर होने की वजह से हुआ था। हालांकि, इस साल का मामला थोड़ा अलग है क्योंकि 1999 और 2009 के मामले में सदस्य का रिटायरमेंट बीच चुनाव में हुआ था, जबकि इस बार अनूप पांडेय 15 फरवरी को ही सेवानिवृत हो गए। बता दें कि 2009 के लोकसभा चुनावों के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त एन गोपालास्वामी रिटायर हो गए थे। उन्होंने 2 मार्च 2009 को चुनाव की तारीखों का ऐलान किया था और पहले चरण का मतदान होते ही 20 अप्रैल 2009 को रिटायर हो गए थे। उनके बाद नवीन चावला ने सीईसी का पदभार संभाला था। तब आयोग में सिर्फ दो सदस्य नवीन चावला और एसवाई कुरैशी ही बचे थे और इन्होंने ही पूरा चुनाव संपन्न करवाया था। इसी तरह 1999 में 13वीं लोकसभा के चुनाव के समय एम एस गिल मुख्य चुनाव आयुक्त थे। उनके साथ जीवीजी कृष्णामूर्ति और जेएम लिंगदोह चुनाव आयुक्त थे। अंतिम चरण के मतदान से तीन दिन पहले ही कृष्णामूर्ति रिटायर हो गए थे। उसके बाद दो

11 मार्च को चांद के दीदार से शुरु होगा रमजान का पवित्र महीना

नई दिल्ली ।

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार 2024 में रमजान सोमवार, 11 मार्च, 2024 की शाम को चांद के दीदार (दर्शन) के बाद शुरू होकर मंगलवार, 9 अप्रैल की शाम को समाप्त होगा। अगले दिन ईद-उल-फितर का त्यौहार, जो मुस्लिमों के पवित्र महीने रमजान के अंत का प्रतीक है, पूरी दुनिया में मनाया जाता है। ईद-उल-फितर जिसे अक्सर ईद के रूप जाना जाता है। हालांकि, खगोलीय गणना के आधार पर ये तिथियां अस्थायी हैं। पारंपरिक रूप से रमजान की सटीक शुरुआत की पुष्टि चांद दिखने के साथ की जाती है।

रमजान इस्लामिक कैलेंडर का नौवां महीना होता है कि जोकि शाबान महीने (आठवां महीना) के बाद आता है। बताया जा रहा है कि, इस साल रमजान की शुरुआत सोमवार, 11 मार्च से होगी। हालांकि शाबान के 29वें दिन चांद का दीदार होने के बाद ही रमजान शुरू होने की तारीख तय होती है। इस्लाम धर्म में रमजान के महीने को बहुत ही पाक माना जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार, रमजान का महीना नौवां महीना होता है, जिसे सबसे पवित्र और खास माना जाता है। इस पूरे महीने मुसलमान सुबह से लेकर शाम तक यानी सूर्योदय होने से लेकर सूर्यास्त तक उपवास रखते हैं। दुनिया भर के मुसलमान इस्लामी चंद्र कैलेंडर के नौवें महीने के अर्धचंद्र को देखने और रमजान को गले लगाने का इंतजार नहीं कर सकते। रमजान आमतौर पर 29 या 30 दिनों का होता है, जो चंद्रमा के दिखने पर निर्भर करता है, और इस अवधि के दौरान उपवास करना सभी वयस्क मुसलमानों के लिए अनिवार्य होता है, जब तक कि वे बीमार न हों, यात्रा न कर रहे हों, मासिक धर्म चल रहा हो, गर्भवती, मधुमेह या बुजुर्ग न हों। रमजान का मतलब क्या है?

रमजान शब्द अरबी मूल रमिदा या अर-रमद से लिया गया है, जिसका अर्थ है चिलचिलाती गर्मी और यह इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है जिसमें शामिल हैं, शाहदा (विश्वास का पेशा), सलात (प्रार्थना), जकात (भिक्षा देना) , सॉम (उपवास) और हज (तीर्थयात्रा)।

कर्नाटक से भाजपा और कांग्रेस दोनों को उम्मीद,पर जातीय जनगणना ने बढ़ाया टेंशन

नई दिल्ली।

कर्नाटक में लोकसभा की 28 सीटें हैं। वर्ष 2019 में भाजपा ने 25 सीट पर जीत दर्ज की थी, जबकि कांग्रेस को सिर्फ एक सीट मिली थी। एक साल पहले विधानसभा में शानदार जीत के बाद कांग्रेस कम से कम 15 सीट जीतने की तैयारी कर रही है। इस लक्ष्य को हासिल करना आसान नहीं है, क्योंकि विधानसभा से लोकसभा चुनाव के बीच सियासी समीकरण बदल गए हैं। चुनावी हार-जीत में लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय अहम भूमिका निभाता है। लिंगायत 18 और वोक्कालिगा 14 फीसदी है पर, यह दोनों समुदाय आधी-आधी सीट पर असर रखते हैं। विधानसभा में वोक्कालिगा समुदाय ने कांग्रेस का ने समर्थन किया था। क्योंकि, उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी इसी समुदाय से हैं, पर उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाए जाने से यह तबका नाराज है। विधानसभा में पेश जातीय गणना ने भी इन समुदायों में नाराजगी बढ़ा दी है। रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं हुई है, पर रिपोर्ट पर लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय ने कड़ा विरोध जताया है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि डीके शिवकुमार भी पहले इस रिपोर्ट का विरोध कर चुके हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान 2015 में सर्वे शुरू किया था। पर सत्ता बदलने के बाद रिपोर्ट विधानसभा में पेश नहीं हो पाई थी।प्रदेश कांग्रेस नेता मानते हैं कि विधानसभा से लोकसभा के बीच स्थितियां बदली हैं। कानून व्यवस्था और बजट के कुछ प्रावधानों ने भाजपा को कांग्रेस पर निशाना साधने का मौका दिया है। लिंगायत वोक्कालिगा समुदाय की नाराजगी से भी पार्टी की राजनीतिक चुनौती बढ़ी है। इसके साथ भाजपा- जेडीएस के गठबंधन से भी दोनों पार्टियों को फायदा मिल सकता है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी 12 को जैसलमेर दौर पर

भारत शक्ति युद्धाभ्यास का बनेंगे हिस्सा

जयपुर ।

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर पीएम मोदी प्रचार प्रसार को धार देने में जुट गए है इसी बीच मोदी का एक फिर राजस्थान दौरा बना गया है। पीएम मोदी 12 मार्च को जैसलमेर दौरे पर आएंगे. वो भारतीय सेना के पराक्रम को देखने आ रहे है. जहां पोकरण फिल्ड फायरिंग रेंज में भारत शक्ति युद्धाभ्यास का हिस्सा बनेंगे। मोदी भारतीय सेना के जवानों में जोश भरेंगे युद्धाभ्यास में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान सहित तीनों सेनाओं के टॉप अधिकारी हिस्सा लेंगे. फिल्ड फायरिंग रेंज में स्वदेशी हथियारों की क्षमता का परीक्षण किया जाएगा इस युद्धाभ्यास में आत्मनिर्भर भारत की झलक दिखाई देगी भारत शक्ति युद्धाभ्यास में तेजस लड़ाकू विमान, के-9 आर्टिलरी गन, स्वदेशी ड्रोन, पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर्स और कम दूरी की मिसाइलों की ताकत देखने को मिलेगी. देश के पश्चिमी छोर से प्रधानमंत्री का दौरा महत्वपूर्ण होगा।

फेसबुक पर पड़ोसी की फोटो के साथ लिखीं गालियां, फायरिंग 2 घायल

जयपुर ।

राजस्थान के डीग जिले में फेसबुक पोस्ट पर गलियां लिखने पर शुक्रवार को बवाल हो गया। इस दौरान दो पक्षों के बीच जमकर पथराव और फायरिंग की घटना हुई। इस घटना में एक महिला समेत दो लोगों को गोली लग गई। इससे दोनों घायल हो गए। फायरिंग की सूचना पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। इस दौरान पुलिस ने 11 लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। प्रदेश के कामां थाना पुलिस ने बताया कि गत 4 मार्च को नगला कुलवाना गांव के सुब्बा मेव के घर में शादी थी। इस दौरान उनके पड़ोसी के बेटे ने फेसबुक पर सुब्बा मेव की फोटो डालकर गालियां लिख दीं। इसको लेकर 6 मार्च को दोनों पक्षों में कहासुनी, मारपीट और पथराव को लेकर मामला दर्ज करवाया गया। इस दौरान शुक्रवार को एक बार फिर मामला भड़क गया। सुब्बा मेव के परिवार के मुकिन और वाजिब जब खेत से लौट रहे थे। इस बीच रास्ते में उनकी नूरु से कहासुनी हो गई। घटना के बाद नूरु अपने घर पर आया और परिजनों को मामले की सूचना दी। पुलिस ने बताया कि मुकीन और वाजिब की नूरु से कहासुनी होने के बाद मामला भड़क गया। नूरु ने घर आकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद दोपहर 3 बजे दोनों पक्ष एक दूसरे पर पथराव करने लगे। इस दौरान दोनों ही पक्ष की ओर से कई राउंड फायरिंग भी की गई। इस घटना में वरसीना और फखरू छर्रे लगने से घायल हो गए।

कांग्रेस पार्टी को झटका....आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण में याचिका खारिज

नई दिल्ली ।

आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने कांग्रेस पार्टी की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें आयकर विभाग की ओर से उनके बैंक खातों की वसूली और फ्रीजिंग की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी। कांग्रेस ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट पर पार्टी के बैंक अकाउंट से 65 करोड़ रुपये निकालने का आरोप लगाया है। कांग्रेस पार्टी पर 115 करोड़ रुपये का टैक्स बकाया था। कांग्रेस ने कहा कि टैक्स रिटर्न का मामला इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (आईटीएटी) में लंबित है। आयकर विभाग ने गैर लोकतांत्रिक तरीके से 20 फरवरी को पैसे निकाले हैं। शुक्रवार को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के एक्शन के खिलाफ याचिका खारिज होने के बाद कांग्रेस के वकील विवेक तन्खा ने ट्रिब्यूनल से अगले 10 दिनों तक इस आदेश को स्थगित रखे जाने की अपील की। सूत्रों ने कहा कि पार्टी अब दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर करेगी कांग्रेस ने इनकम टैक्स के एक्शन को लेकर बीजेपी पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने पूरे मामले को राजनीति से प्रेरित बताया। कांग्रेस ने बीजेपी सरकार पर वित्तीय आतंकवाद और उसके प्राथमिक विपक्ष को पंगु करने की कोशिश का भी आरोप लगाया है।

बेंगलुरु में भयावह जल संकट, माल में शॉपिंग नहीं टायलेट यूज करने पहुंच रहे लोग

-सरकार ने कारों की धुलाई, बागवानी, निर्माण पर लगा दी रोक

बेंगलुरु ।

गर्मी के आने की आहट से पहले बेंगलुरु में जल संकट से लोग और कांग्रेस सरकार के नेता परेशान हैं। इस बीच कर्नाटक सरकार ने अहम फैसला लिया है, इसके तहत कारों की धुलाई, बागवानी, निर्माण और रखरखाव सहित विभिन्न उद्देश्यों के लिए पीने के पानी के उपयोग पर बैन लगाया गया है। कर्नाटक जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड ने फैसले का उल्लंघन करने पर 5,000 का जुर्माना लगाने की बात कही है। बताया जा रहा है कि साल 2023 में बारिश की कमी के कारण पूरा कर्नाटक, खासकर बेंगलुरु हाल के वर्षों में जल संकट की सबसे खराब स्थिति का सामना करता नजर आ रहा है। इधर, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कम बारिश के लिए अल नीनो प्रभाव को जिम्मेदार ठहराया है। हालात इतने खराब हो चुके हैं कि बेंगलुरु के कुमारकृपा रोड स्थित कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के कार्यालय-सह-आवास के अंदर पानी के टैंकर दिखाई दिए हैं। इससे सजह ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि राजधानी के लोग किस स्थिति से गुजर रहे हैं। अभी गर्मी की शुरूआत भी ठीक से नहीं हुई है और पानी की कमी से लोग त्रस्त हैं।

बताया जा रहा हैं कि कई कोचिंग सेंटर ने अपने छात्रों से 'आपात' स्थिति के कारण एक सप्ताह के लिए ऑनलाइन क्लास लेने की बात कही है। यही नहीं एक स्कूल को भी बंद करने का फैसला लिया गया है और ऑनलाइन क्लास लेने का निर्देश दिया गया है। बेंगलुरु में जल संकट काफी हद तक गहरा गया है। हालात हैं कि लोग शॉपिंग मॉल घुमने-फिरने नहीं, बल्कि टॉयलेट यूज करने के लिए जा रहे हैं। जी हां, इंटरनेट यूजर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके खुद इसकी जानकारी दी हैं। लोगों ने पानी की समस्या को लेकर अपने गुस्से का इजहार किया है।

साथ ही चिंता जाहिर की है कि आखिर इसका समाधान कैसे निकलेगा या फिर अभी कई दिनों तक उन्हें इसतरह गुजारा करना

होगा। 2023 में बारिश की कमी के कारण पूरा कर्नाटक, विशेष रूप से बेंगलुरु हाल के वर्षों में जल संकट की सबसे खराब स्थिति का सामना कर रहा है। जल संकट को लेकर पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे है। टॉयलेट में फ्लश करने तक के लिए पानी नहीं है, जिससे कई जगहों पर दुर्गंध फैली हुई है। हालात इतने खराब हैं कि लोग शौच करने के लिए मॉल में जा रहे हैं और वहां भी कतारें लगी हुई हैं। एक यूजर ने कहा, अभी गर्मी शुरू ही हुई है और बेंगलुरु में पानी की कमी होने लगी। इसके बाद आप मुफ्त बसों या मुफ्त बिजली को लेकर मत सोचिए। कुछ लोगों ने जल संकट की निरंतरता जारी रहने पर चिंता जाहिर कर कहा कि बेंगलुरु का विकास मॉडल कहीं फेल न हो जाए।

जल संकट से वैश्विक मंच पर बेंगलुरु की छवि हुई धूमिल : आर अशोक

बेंगलूरू।

कर्नाटक में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने शनिवार को बेंगलुरु में जारी जल संकट को लेकर कांग्रेस की सरकार पर जोरदार निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कुप्रबंधन की वजह से राज्य में जल संकट की समस्या अपने चरम पर पहुंची है। इस समस्या ने वैश्विक स्तर पर राज्य की छवि को धूमिल किया है और यह सबकुछ तमिलनाडु को जल मुहैया कराए जाने की वजह से हुआ है।पत्रकारों से बात करते हुए आर अशोक ने कहा, एक अमेरिकी न्यूज चैनल लोगों से कह रहा है कि आप कर्नाटक मत जाइए। अधिकारियों के समक्ष बिना कोई वाजिब तर्क रखे कांग्रेस सरकार ने तमिलनाडु को अपने जलाशयों से पानी मुहैया करा दिया जिससे राज्य में जल संकट की समस्या पैदा हो गई है और लोग परेशान हो रहे हैं। इस समस्या को मुद्दा बनाकर बीजेपी ने सोमवार को फ्रीडम पार्ट में कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि ऐसी कोई व्यवस्था की जाए जिससे बेंगलुरु के लोगों को पानी उपलब्ध हो सके। अगर हमारी मांग की पूर्ति नहीं की जाती है, तो हम भविष्य में कई बड़े कदम उठाएंगे। बेंगलुरु में लोगों को बम की धमकियों के साथ-साथ पीने के पानी के लिए भी मशक्कत करना पड़ रही है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरू की पहचान सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी के रूप में वैश्विक स्तर पर होती है। उन्होंने आगे तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार को इससे कोई चिंता नहीं है। आलम यह है कि डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार तमिनाडु के सीएम एम.के. स्टालिन को बुलाकर उन्हें गले लगाते हैं और उन्हें बिरयानी भी खिलाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर कर्नाटक ने तमिलनाडु को पानी उपलब्ध नहीं कराया होता, तो राज्य के लिए पांच से छह टीएमसी (हजार मिलियन क्यूबिक फीट) की बचत होती और जल संकट नहीं होता।

रूही की नई मैम

रुही नाइंथ क्लास में पढ़ती है और स्टडीज के अलावा वो स्पोर्ट्स में भी बहुत अच्छी है। वो इसी स्कूल में नर्सरी से पढ़ रही है। इसलिए उसे यहां के टीचर्स भी अच्छी तरह जानते हैं। इस साल स्कूल में एक नई टीचर आई हैं 'वैशाली मैम' जो रुही की क्लास टीचर भी हैं। वैशाली मैम ही उसे साइंस भी पढ़ाएंगी। रुही को पता नहीं क्यों कुछ ही दिनों में ऐसा लगने लगा जैसे वैशाली मैम उसे पसंद नहीं करतीं। उसे और भी यकीन हो गया जब क्लास में उसकी 'खास' फ्रेंड्स ने भी उसे यही कहा। इतने में ही स्कूल में एक इंटर स्कूल कॉम्पिटीशन आयोजित हुई। रुही ने सारी ही प्रतियोगिताओं में अपना नाम लिखवा दिया।

इस बार साधना मैम प्रोग्राम की इंचार्ज नहीं थीं जो कि ज्यादातर होती थीं और वे बिना पूछे ही रुही का नाम भी हर कॉम्पिटीशन में लिख देती थीं। इस बार इंचार्ज वैशाली मैम थीं। फिर अचानक कॉम्पिटीशन के कुछ दिन पहले असेंबली में प्रिंसीपल मैम ने बताया कि कोई भी स्टूडेंट ज्यादा से ज्यादा दो प्रतियोगिताओं में भाग ले सकता है और उन्होंने इस आइडिया के लिए वैशाली मैम को थैंक्स कहा। रुही को लगा जरूर वैशाली मैम ने उसके खिलाफ ये चाल चली होगी। रुही को इस बात से और भी बुरा लगा कि क्लास में सबसे पीछे बैठने वाली आंजना और सबसे मस्तीखोर पीयूष को वैशाली मैम ने स्ट्रिक्टली इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कहा था। जबकि वो दोनों तो कभी किसी चीज में पार्टिसिपेट करते ही नहीं। रुही की 'खास' फ्रेंड्स ने इस बार भी उसके साथ मिलकर वैशाली मैम को बहुत बुरा-भला कहा।

अभी कॉम्पिटीशन शुरू होने में चार-पांच दिन बाकी थे कि एक दिन वैशाली मैम ने रुही को लंच ब्रेक में स्टाफ रूम में मिलने को कहा। बेमन से वह स्टाफ रूम में दाखिल हुई। वहां मैम के साथ पीयूष और आंजना भी थे। अब तो रुही का शक पक्का हो गया। उसने बहुत गुस्से में कहा- 'मे आय कम इन मैम।'

'ओह.रुही, प्लीज कम इन।'' वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं। वह गुस्से में कुछ बोल नहीं पाई तो मैम आगे बोलीं। 'रुही मैं चाहती हूं कि पीयूष और आंजना को तुम गाइड करो। क्योंकि इस मामले में तुम स्कूल में सबसे ज्यादा एक्सपीरियंस्ड और टैलेंटेड हो।' रुही का गुस्सा और भी बढ़ था। 'मुझे लगता है तुमसे बेहतर गाइडेंस इन्हें किसी का भी नहीं मिल सकता.'क्यों नहीं मैम। आप कहें तो मैं बाकी कॉम्पिटीशन्स में से भी अपना नाम हटा लेती हूं। फिर इनको चीटिंग करके प्राइज दिलाने के लिए तो आप हैं ही।' मैम की बात के बीच में ही गुस्से में चिल्लाते हुए रुही ने कहा।

'रुही- ये तुम क्या बोल रही हो बेटा?' चौंकते हुए वैशाली मैम ने कहा। 'रहने दीजिए मैम, मैं सब जानती हूं। पहले दिन से ही आपको मैं पसंद नहीं हूं। आप मेरे टैलेंट से जलती हैं। इसलिए मेरे हर काम में हर्डल्स खड़े कर रही हैं.पहले आपने मेरा नाम कॉम्पिटीशन्स में से हटवाया और अब इस बेवकूफ आंजना और स्टूपिड पीयूष को मेरे अगेंस्ट खड़ा कर रही हैं.जबकि.रुही और भी आगे बोलती लेकिन मैम ने उसे थोड़ी कड़क आवाज में टोकते हुए कहा- 'रुही.पहले शांत हो जाओ और यहां बैठो।' मैम की आवाज और आंखें देखकर रुही एकदम सकपका गई लेकिन चेयर पर बैठने की बजाय खड़ी रही।

यहां बैठो रुही।'' मैम ने फिर कहा। रुही बैठ गई। 'देखो रुही, तुमने मुझे गलत समझा है बेटा।' मैम की आवाज अब पहले की ही तरह शांत थी। उन्होंने पानी का गिलास रुही की ओर बढ़ाया। रुही अब थोड़ी शांत हो गई थी। 'तुम्हें ऐसा पता नहीं क्यों लगा बेटा कि मैं तुम्हें नापसंद करती हूं। जबकि इस स्कूल में आने के कुछ दिनों बाद से ही मैं तुम्हारी फैन बन चुकी हूं।' 'पप्पर फिर आपने क्लास में हमेशा मुझे इग्नोर क्यों किया मैम?' रुही ने पूछा।

'नहीं बेटा मैंने कभी तुम्हें इग्नोर नहीं किया। हां, मैं इस बात से चिंतित जरूर थी कि तुम्हारे अचीवमेंट्स और 'खास' फ्रेंड्स कहीं तुम्हारे अंदर ओवरकॉन्फिडेंस और घमंड न भर दें। इसलिए मैं क्लास के बीच में तुम्हें इंडायरेक्टली वॉर्न करती थी। ताकि तुम सही और गलत फ्रेंडशिप को समझ सको। दो कॉम्पिटीशन में पार्ट लेने का नियम बनाने की सलाह मैंने इसलिए दी ताकि ज्यादा स्टूडेंट्स को मौका मिल पाए। इसके लिए मुझे तुम जैसे हर बच्चे की मदद लेनी है ताकि हम बाकी बच्चों को भी अच्छी चीजों में इन्वॉल्व कर पाएं। क्या तुम अब भी मुझे गलत समझती हो?' वैशाली मैम ने सवाल किया और इतने में प्यून रमेश भाई ने आकर बताया कि मैम को प्रिंसीपल मैम बुला रही हैं। वैशाली मैम पीयूष और आंजना के साथ रुही को छोड़कर क्लास से बाहर चली गईं।

सोच में डूबी रुही जैसे अचानक गहरी नींद से जागी। उसके दिमाग में चल रहा कन्फ्यूजन अब खत्म हो चला था। उसने घबराई सी खड़ी आंजना और भौंचक खड़े पीयूष की ओर देखा और कहा- 'मैम ने सही कहा है। ये हमारे स्कूल की रेप्यूटेशन का सवाल है। और अब मेरी भी। इसलिए आज छुटटी के बाद तुम दोनों मुझे रिक्रिएशन रूम में मिलोगे। हम जमकर प्रैक्टिस करेंगे.लेकिन उससे पहले मुझे वैशाली मैम को सॉरी बोलना है।' इतना कहकर खुश-खुश सी रुही स्टाफ रूम से बाहर निकल कर तेजी से प्रिंसीपल मैम के रूम की तरफ बढ़ गई।

वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं।

इंडोनेशिया में लाशों के साथ मनाया जाता है त्योहार

दुनिया के अलग-अलग देशों में लोग कई तरह के रीति-रिवाज को मानते हैं और अजीबोगरीब तरीकों से उत्सव मनाते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे त्योहार के बारे में बताएंगे, जो लाशों के साथ मनाया जाता है। जी हां, इस त्योहार के बारे में जानकर आपको थोड़ा अजीब जरूर लगेगा, लेकिन यह बात बिल्कुल सही है। इंडोनेशिया की एक खास जनजाति इस त्योहार को मनाती है, जिसे मानेने फेस्टिवल के तौर पर जाना जाता है।

मानेने फेस्टिवल की शुरुआत आज से लगभग 100 साल पहले हुई थी। इसे मनाने के पीछे बरप्पू गांव के लोग एक बहुत ही रोमांचक कहानी सुनाते हैं। लोगों के मुताबिक, सौ साल पहले गांव में टोराजन जनजाति का एक शिकारी जंगल में शिकार के लिए गया था। पोंग रुमासेक नाम के इस शिकारी को बीच जंगल में एक लाश दिखी। सड़ी-गली लाश को देखकर रुमासेक रुक गया। उसने लाश को अपने कपड़े पहनाकर अंतिम संस्कार किया।

इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही टोराजन जनजाति के लोगों में अपने पूर्वजों के लाश को सजाने की प्रथा शुरू हो गई। मान्यता है कि लाश की देखभाल करने पर पूर्वजों की आत्माएं आशिर्वाद देती हैं।

इस त्योहार को मनाने की शुरुआत किसी के मरने के बाद ही हो जाता है। परिजन के मौत हो जाने पर उन्हें एक ही दिन में न दफना कर, बल्कि कई दिनों तक उत्सव मनाया जाता है। यह सब चीजें मृत व्यक्ति के खुशी के लिए की जाती हैं और उसे अगली यात्रा के लिए तैयार किया जाता है। इस यात्रा को पुया कहा जाता है। इस त्योहार के दौरान परिजन बैल और भैंसें जैसे जानवरों को मारते हैं और उनके सींगों से मृतक का घर सजाते हैं।

मान्यता है कि जिसके घर पर जितनी सींगें लगी होंगी, अगली यात्रा में उसे उतना ही सम्मान मिलेगा।

इसके बाद लोग मृतक को जमीन में दफनाने की जगह लकड़ी के ताबूत में बंद करके गुफाओं में रख देते हैं। अगर किसी शिशु या 10 साल से कम उम्र के बच्चे की मौत हो तो उसे पेड़ की दरारों में रख दिया जाता है। मृतक के शरीर को कई दिन तक सुरक्षित रखने के लिए कई अलग-अलग तरह के कपड़ों में लपेटा जाता है। मृतक को कपड़े ही नहीं फैशनेबल चीजें भी पहनाई जाती हैं।

सजाने-धजाने के बाद लोग मृतक को लकड़ी के ताबूत में बंदकर पहाड़ी गुफा में रख देते हैं। साथ में लकड़ी का एक पुतला रखा रक्षा करने के लिए रखा जाता है, जिसे ताउ-ताउ कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि ताबूत के अंदर रखा शरीर मरा नहीं है, बल्कि बीमार है और जब तक वो सोया हुआ है, उसे सुरक्षा चाहिए होगी।

इसके बाद हर 3 साल पर लाशों को फिर से बाहर निकाला जाता है और उसे दोबारा नए कपड़े पहनाकर तैयार किया जाता है। इतना ही नहीं लोग लाशों के साथ बैठकर खाना भी खाते हैं। लाशों से उतरे हुए कपड़ों को परिजन पहन भी लेते हैं। कई सालों के बाद जब लाश हड्डियों में बदलने लगती है, तो उसे जमीन में दफनाया जाता है।

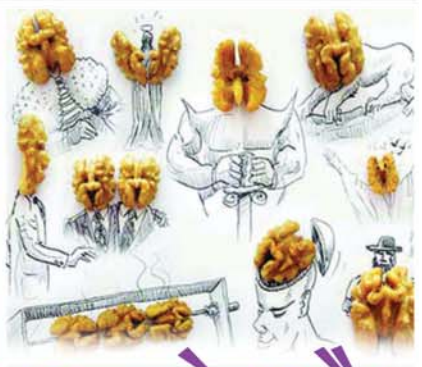

अखरोट और पॉपकॉर्न के आर्ट पीस बनाता एक कलाकार

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है।

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है। पेड़ों की पत्तियों, फूलों, लकड़ियों, मिट्टी, सब्जियों, बेकार पड़े वायर के पीस, फलों, छिलकों, और ऐसी न जाने कितनी ही चीजों से कलाकार आर्ट पीस बना डालते हैं। ऐसे ही एक कलाकार हैं विक्टर न्यूनेस, जो पॉपकॉर्न, अखरोट, पत्तागोभी और न जाने कितनी ही चीजों से रच डालते हैं खूबसूरत तस्वीरें।

पत्ते, फल और ब्रेड

विक्टर के आर्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वो हमें अपने आस-पास मौजूद छोटी-छोटी चीजों में भी कला का रूप देखने की सीख देते हैं और वो भी बहुत ही सरल तरीके से। विक्टर की पेंटिंग्स या आर्ट पीस में मुख्यतः सामान्य पेन्सिल से बने स्केच होते हैं जिनके साथ वो अपने आस-पास मौजूद चीजों को जोड़कर पूरी कहानी बना डालते हैं। जैसे पॉपकॉर्न से ही सिर, मुंह, बाल और दाढ़ी बनाकर। उनके बनाए स्केचेस जितने दमदार होते हैं उतने ही प्रॉप्स का यूज करने पर वो अनूठे बन जाते हैं। ब्रेड से लेकर बिस्किट, काजू, नूडल्स, कॉफी का फोम, आटे की लोई, चिप्स, वेफर्स आदि खाने की चीजों से लेकर कैंची, पेन के ढक्कन, कागज के खाली ग्लास और प्लेट, पेन्सिल को छीलकर निकली पंखुड़ियां, नट-बोल्ट्स, ड्रॉइंग पिंस,धागे और पौधों के पत्ते जैसे कई ऑब्जेक्ट्स को विक्टर कमाल के तरीके से यूज कर मन मोह लेते हैं।

आर्ट से है गहरा नाता

यूं 60 साल के विक्टर ब्राजील के एक रिटायर आर्ट डायरेक्टर हैं लेकिन कला के प्रति उनका पैशन हर उम्र के व्यक्ति को प्रेरणा देता है। खास बात ये है कि उन्होंने कुछ ही समय पहले फेसबुक पर अपना अकाउंट बनाया और उस पर अपने इन स्पेशल आर्ट पीसेस को पोस्ट करना शुरू किया। आज वो रोज कई सारे पीसेस ड्रॉ करते हैं और फेसबुक पर पोस्ट करते हैं। और भी मजेदार बात यह है कि विक्टर कॉफी पीते समय या खाना खाते समय भी चीजों के कलात्मक रूप के बारे में सोचते रहते हैं, इससे उन्हें रोज नए प्रयोग करने की प्रेरणा जो मिलती है।

अमेजन की रहस्यमयी नदी

पेरू में मौजूद इस रहस्यमय नदी की खोज भूवैज्ञानिक आंद्रे रूजो ने साल 2011 में की थी। मयानतुयाकू नामक इस नदी की खोज की कहानी बड़ी ही दिलचस्प है, जिसके बारे में आंद्रे रूजो ने बताया है। दरअसल, बचपन से ही रूजो ने ऐसी काल्पनिक नदियों की कहानियां सुन रखी थी, जो उन्हें आश्चर्य से भर देती थीं, लेकिन तब उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अहसास नहीं था कि ऐसी नदी सच में होती है। आंद्रे रूजो के मुताबिक, जब वो बड़े हुए तो भी उबलती हुई नदी की कहानी हमेशा उनके दिमाग में रही। वो अक्सर ऐसा सोचते कि क्या ऐसा संभव है। यहां तक कि उन्होंने विश्वविद्यालय के अपने सहयोगियों, तेल, गैस और खनन कंपनियों से भी इस बारे में जानना चाहा, लेकिन सबका जवाब ना ही था। इसके अलावा अगर वैज्ञानिक तौर पर भी देखें तो ऐसा संभव ही नहीं है कि नदी का पानी हमेशा उबलता रहे, जब तक कि आसपास कोई सक्रिय ज्वालामुखी न हो।

जब ग्वालियर में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने खुद चलाई सीएम मोहन यादव की कार

,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जबलपुर-ग्वालियर एयरपोर्ट टर्मिनल समेत देश के 16 एयरपोर्ट का वर्चुअली उद्घाटन किया है. ग्वालियर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राज्यपाल मंगूभाई पटेल और प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी पहुंचे थे. इस दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने खुद मुख्यमंत्री मोहन यादव की कार चलाकर उन्हें कार्यक्रम स्थल तक लेकर पहुंचे.

दरअसल, ग्वालियर का विजयाराजे सिंधिया एयरपोर्ट महज 16 महीने में बनकर तैयार हुआ. जिसकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तारीफ भी की. वर्चुअली कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 2019 में हमने जो शिलान्यास किया था वो चुनाव के लिए नहीं किए थे. वे धरातल पर उतर चुके हैं. पीएम मोदी ने कहा, ÷आज 2024 में मेहरबानी करके इसे चुनाव की नजरों से न देखें. मैं 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने के लिए तेज गति से दौड़ रहा हूं और देश को दौड़ा रहा हूं.÷ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से देश के 16 एयरपोर्ट का वर्चुअली लोकार्पण और शिलान्यास किया.

सीएम ने मजदूरों के लिए पांच बड़ी घोषणाएं-ग्वालियर एयरपोर्ट लोकार्पण कार्यक्रम में सीएम मोहन यादव भी जुड़े. उन्होंने मंच से मजदूरों के लिए पांच बड़ी घोषणाएं की. जिसमें अकुशल श्रमिकों की मजदूरी 1625 रुपये से बढ़ाकर 11450 रुपये प्रति महीना और अर्धकुशल मजदूरों की मजदूरी 1764 रुपये से बढ़ाकर 12446 रुपये, खेतीहर मजदूर की मजदूरी 1396 रुपये से बढ़ाकर 9160 रुपये करने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि गिग वर्कर्स को संबल योजना में शामिल करेंगे. 50 फीसदी लागत पर ई-स्कूटर खरीदने वाले मजदूरों को 40 हजार रुपये की मदद की जाएगी.

जो 75 साल में नहीं हुआ, वो अब हो रहा-ग्वालियर में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि आज देशभर में एक साथ इतने एयरपोर्ट का शिलान्यास और लोकार्पण हो रहा है. 75 साल में यह कभी नहीं हुआ.कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर भी मौजूद रहे. जबकि जबलपुर में आयोजित समारोह में डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा, राज्यसभा सांसद सुमिता वाल्मीकी मौजूद रहे.

चक्रब्युह में उलझता जे..सी.मिल्स का निराकरण

ग्वालियर -- ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जे.सी.मिल्स प्रकरण का निराकरण, हुकुमचंद मिल इंदौर की तर्ज पर किये जाने के लिए उर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के प्रयास और माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव की घोषणा पर ग्रहण लगने वाला है! यद्यपि इसके संकेत प्रशासन ने मिल परिसर की भूमि को कष्टम के नाम दर्ज होने से तो दे ही दिए थे! फिर भी कुछ उम्मीद थी वो 19 फरवरी 2024 को उच्च न्यायालय में लगी जे.सी. मिल्स की तारीख से और साफ हो गई हैं!कि लोकसभा चुनाव के पूर्व शासन कुछ करेगा नहीं !और चुनाव के बाद अगले चुनाव तक फिर कौन-किसकी याद करता है! वर्तमान परिस्थितियों के मुताबिक चुनाव की तारीखों का ऐलान मार्च अंत तक किया जा सकता है। 2019 में 10 मार्च को आचार संहिता लग गई थी। तब देश में 11 अप्रैल से 19 मई तक सात चरणों में चुनाव आयोजित किए गए थे। अब इस बार 25 मार्च को होली है। इस बार चुनाव की तारीखें 16 अप्रैल से घोषित होनी हैं! चुनाव की तारीख से 30 दिवस पूर्व आचार संहिता लग जाती है। अतः 10 मार्च के आसपास चुनाव आचार संहिता लग सकती है! ऐसे में अब जे.सी.मिल्स मजदूरों की उम्मीदों में पानी फेरे जाने की पृष्ठभूमि तैयार हो गई है! 19 फरवरी की तारीख में न्यायालय में उम्मीद के विपरीत राज्य शासन के वकील एस एस कुशवाह ने मिल की भूमि और उसके नक्शे को प्रस्तुत करने के लिए 3 दिवस का समय और माँगा है, वहीं यूनियन द्वारा पहले से ही विलम्ब से दायर की गई ह्व ह्य.818/2024- जिसमे जे.सी. मिल्स के विवाद के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए राज्य सरकार को उचित दिशा- निर्देश हेतु माँग की गई थी, उसकी प्रति सभी संबंधित पक्षों के वकीलों को उपलब्ध कराने को निर्देश दिए गए। ज्ञात हो ये आवेदन जो 22 जनवरी 24 को प्रस्तुत किया जाना था, वो वैसे भी 14 दिवस विलम्ब से 5 फरवरी को न्यायालय में दिया गया, जिसपर आदेश की संभावना 19 फरवरी को थी! किन्तु अधूरी कानूनी प्रक्रिया के करने से अब 11 मार्च को अगली सुनवाई है। इसमें कोई विशेष उम्मीद नहीं है। यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले 3 वर्षों (फरवरी 2021) से ऑफिसियल लिक्विडेटर श्री सीताराम एस गुप्ता, जे.सी.मिल्स के स्वयँ के स्वामित्व की भूमि की जानकारी ग्वालियर कलेक्टर से माँग रहे हैं।÷इसकी प्रति ÷सजग नागरिक मंच÷ के अध्यक्ष के नाते मुझे भी मिली, मैं स्वयँ 16 फरवरी 2021 को कलेक्ट्रेट जा कर ये पत्र आवक से निकला कर तहसीलदार लश्कर ममता शाक्य को दे कर आया था, किन्तु खेद कि 3 साल बाद भी ये जानकारी प्रशासन ने न्यायालय में अबतक प्रस्तुत नहीं कर पाई।और अभी भी न्यायालय से बार-बार और समय माँगा जा रहा है.कहीं ये कोई सुनियोजित रणनीति तो नहीं. ये यक्ष प्रश्न है। उल्लेखनीय है कि 4 जनवरी 2024 को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने ग्वालियर प्रवास के दौरान 32 वर्षो से लंबित जे.सी.मिल्स ग्वालियर के मजदूरों का भुगतान हुकुमचंद मिल इंदौर की तर्ज पर किये जाने के लिए, कलेक्टर ग्वालियर श्री अक्षय कुमार जी को प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिए थे, ताकि लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से पूर्व ये प्रस्ताव केबिनेट से पास हो कर न्यायालय में प्रस्तुत किया जा सके! कलेक्टर ग्वालियर ने 16 जनवरी2024 को अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण जी (ह्वस्)की अध्यक्षता में जे.सी.मिल्स मामले के निपटारे की कमेटी गठित कर दी है, कमेटी की 17 जनवरी, और 18 जनवरी तथा 03 फरवरी 2024 को 4 मीटिंग हो चुकी हैं। 19 फरवरी की तारीख से उम्मीद थी कि शासन न्यायालय को अपना प्रस्ताव बताएगा, और न्यायालय उसपर अपनी स्वीकृति प्रदान कर सरकार को हुकुमचंद मिल की तर्ज पर जे.सी.मिल्स के मजदूरों के भुगतान करने हेतु स्वीकृति प्रदान कर आवश्यक भूमि उन्हें सौंप देगा! बहरहाल अब ये उम्मीद लोकसभा चुनाव के पूर्व लगभग समाप्त ही समझें।

ग्वालियर में अवेध कालोनियों का साम्राज्य

ग्वालियर में आए दिन भूमाफिया, नेताओं के संरक्षण में अवैध कॉलोनी बना रहे हैं। यह लोग शासन की मिली भगत से टी एंड सी पी से कॉलोनी को अप्रूव्ड करवाकर नगर निगम से बिना परमिशन लिए जनता को फॉर्म फॉर कॉलोनी बता कर बेच देते हैंड़। यह कार्यवाही कई सालों से शासन के संरक्षण में चल रही है। दरअसल में कॉलोनाइजर को नगर निगम से परमिशन लेना चाहिए लेकिन ज्यादातर कॉलोनाइजर नगर निगम से परमिशन इसलिए नहीं लेते हैं क्योंकि नगर निगम से परमिशन लेने पर इन्हें डेवलपमेंट चार्ज का 120त्न कीमत के प्लॉट बंधित रखने पड़ते हैं और श्च ङ्ख स के लिए भी प्लॉट छोड़ना पड़ते है। ये सारा खेल श्च ङ्ख स के प्लाटों से बचने के लिए यह लोग नगर निगम से परमिशन नहीं लेते हैं। क्योंकि श्च ङ्ख स को कलेक्टर रेट पर देने होते हैं जो कि बाजारू मूल्य से बहुत कम होता हे। चूंकि इन्हे नेताओं का वरदहस्त प्राप्त होता है। इसलिए इन पर कोई अधिकारी कार्रवाई करने को तैयार नहीं होता हे। नियमानुसार 3 साल में टी एंड सी पी के अप्रूव होने के बाद नगर निगम से अप्रूव नहीं कराता हे तो टी एंड सी पी की परमिशन स्वतः निरस्त हो जाती है। परमिशन होने वाली कोलोनीयों को बनाने वाले कॉलोनाइजरों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती हैड़ क्या कलेक्टर महोदय ग्वालियर कभी एसे कॉलोनाइजरों पर कार्यवाही करेंगे, क्या जनता के साथ हो रही धोखाधड़ी को सरकार बंद करवाएगी। देखना यह है क्या सरकार इन कॉलोनाइजरों पर दंडात्मक कार्रवाई करेगी या वह भी भ्रष्टाचार का हिस्सा बन जाएगी।

ग्वालियर चंबल अंचल में अब वैश्य समाज गुल्लक की जमा पूंजी के रूप में इस्तेमाल नहीं होना चाहता

वैश्य समाज को भी चाहिए राजनीति में बराबर की हिस्सेदारी

चंबल अंचल भाजपा से ख़ासे और कांग्रेस से कम नाराज हैं वैश्य समाज कारण यह बताया जा रहा है कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शीर्ष नेतृत्व ने हमेशा वैश्य समाज को सदैव अपनी गुल्लक की जमा पूंजी के रूप में इस्तेमाल किया है,इसलिए अबकी बार यह समाज एकजुट होकर कोई अप्रत्याशित फैसला रिजर्व में रख लिया है जिसका चौंकाने वाला परिणाम आगामी लोकसभा चुनाव में देखने को मिल सकता है। निश्चित रूप से इस बार वैश्य समाज उपेक्षा करने वाले राजनेताओं को कोई गुल खिला कर दे सकता है इस आशंका से राजनैतिक दलों के खेमों और राजनैतिक विश्लेषकों के चिंतन शिविरों में हलचल मची हुई है कि किस तरह से डैमेज कंट्रोल रूम स्थापित कर वैश्य समाज के बोट बैंक पर नियंत्रण कर संवारने का जिम्मा किस- किस को सौंपा जाए।

सूत्र बताते हैं कि वैश्य समाज मुखर हो गया है, कि अब वह राजनेताओं की गुल्लक की जमा पूंजी के रूप में खुद का इस्तेमाल नहीं होने देगा। वैश्य समाज को भी अब राजनीतिक में खुद को बराबरी की हिस्सेदारी के साथ साथ प्रतिष्ठा और सम्मान भी बराबर चाहिए ।भाजपा के ठाकुर का कांग्रेस के ठाकुर परिवार से मुकाबला तय क्योंकि कांग्रेस पार्टी लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को तभी टक्कर दे सकती है। जब पूर्व विधायक व जिला पंचायत अध्यक्ष रहे,नीटू सत्यपाल सिंह सिकरवार को मुरैना, श्योपुर लोकसभा क्षेत्र से स्थानीय व लोकप्रिय उम्मीदवार को टिकट देकर चुनाव मैदान में उतारा जाए अन्यथा कांग्रेस पार्टी ग्वालियर चंबल अंचल में से भी अपनी पहचान खो सकती है। क्योंकि वैसे भी लंबे समय से इस क्षेत्र में पूर्व विधायक गजराज सिंह सिकरवार की उम्मीदवारी को बेदाग साफ स्वच्छ लोकप्रिय नेता की छवि के रूप में मुरेना-श्योपुर संसदीय सीट पर जनमत चर्चा में मान्यता मिल चुकी थी परंतु उनके अस्वस्थ होने की स्थिति में उन्हीं के संघर्षशील कर्मठ पुत्रगण ग्वालियर पूर्व के विधायक डॉ सतीश सिंह सिकरवार एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पूर्व विधायक नीटू सत्यपाल सिंह सिकरवार की दावेदारी को पुख्ता माना जा रहा है। सूत्रों के हवाले से अगर जौरा के वर्तमान विधायक पंकज उपाध्याय चुनाव के लिए तैयार हों तो कांग्रेस पार्टी हाईकमान उन्हें भी इस सीट से चुनाव लड़ाने को तैयार है, अगर विधायक पंकज उपाध्याय रेडी नहीं तो पार्टी हाईकमान ने सिकरवार की उम्मीदवारी को ग्वालियर से ट्रांसफर कर मुरैना उतारने का मन बना चुका है । क्योंकि कांग्रेस पार्टी मुरैना, ग्वालियर, भिंड संसदीय क्षेत्र में जातिगत समीकरण बिठाने के साथ साथ पार्टी में जिताऊ उम्मीदवार के साथ साथ ऐसे प्रत्याशी घोषित करना चाह रही है जिनके पास संघर्षशील जुझारू कार्यकर्ताओं की फौज हो निर्विवाद रूप से कर्मठ संघर्षशील वफादार कार्यकर्ताओं का फौज फाटा तो सिर्फ पूर्व विधायक नीटू सत्यपाल सिंह सिकरवार एवं विधायक डॉ सतीश सिंह सिकरवार के पास सरप्लस में हमेशा मौजूद रहता है। तभी तो मोदी लहरों में भी कांग्रेस ने ग्वालियर चंबल अंचल में अपने वर्चस्व को कायम रखते हुए,भारतीय जनता पार्टी की चुनौतियों को स्वीकार कर उप चुनाव से लेकर हर चुनाव में अप्रत्याशित परिणाम भी दिए हैं। भाजपा के लिए इस अंचल में पूर्व विधायक गजराज सिंह सिकरवार परिवार के खिलाफ फिलवक्त कोई राजनैतिक काट नहीं बची है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ने यहां से राष्ट्रीय क्षितिज पर रहे नरेंद्र सिंह तोमर को दिमनी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतारा और उन्हें राष्ट्रीय राजनीति से दूर कर विधानसभा अध्यक्ष पद पर आसीन कराया है, माना जा सकता है कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने उनके व्यक्तित्व से विपरीत जिम्मेदारी दे कर उन्हें निष्क्रिय करने का काम किया है। क्योंकि केन्द्रीय मंत्री रह चुके नरेन्द्र सिंह तोमर की संगठन व कार्यकर्ताओं में मजबूत पकड़ रही है अब पार्टी को अपनी इस रणनीति का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। हालांकि आगामी लोकसभा चुनावों हेतु भाजपा हाईकमान ने ग्वालियर चंबल अंचल की चार लोकसभा सीटों में गुना संसदीय सीट को छोड़कर तीन लोकसभा सीटों पर पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे व वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के प्रबल समर्थक रहे उम्मीदवार ही उतारे हैं। पार्टी और तोमर के लिए इस अंचल में अपना सदैव की भांति अपने रुतबे और बजूद को कायम रखने के साथ साथ प्रतिष्ठा पूर्ण चुनाव भी होगा अगर इन सीटों पर भाजपा चुनाव नहीं जीत पाई तो तोमर साहब के नेतृत्व पर सवाल उठाए जाएंगे और भिंड ग्वालियर, मुरेना क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों की इन सीटों पर अगर भाजपा कब्जा बरकरार रखने में कामयाब हुई तो जीत का सेहरा मोदी लहर की भेंट चढ़ जाएगा अर्थात् विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के पास पाने की बजाय खोने की चिंता ज्यादा सता सकती है, क्योंकि ऐसी ही विपरीत रणनीति नगरीय निकाय के चुनावों में मुरेना महापौर के चुनावों में अपनाई गई थीं। इस समय आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर इस अंचल के कांग्रेस पार्टी के युवा नेता ग्वालियर पूर्व से विधायक डॉ सतीश सिंह सिकरवार एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तथा पूर्व विधायक रहे नीटू सत्यपाल सिंह सिकरवार भाजपा के चुनावी रणनीतिकारों और नेताओं के लिए भारी सिर दर्द और भारी चिंता का विषय बने हुए हैं। क्योंकि जब-जब कांग्रेस पार्टी ने इनको फ्री हिट दिया है तब-तब इन्होंने ही अपने जांबाज कार्यकर्ताओं के दम - खम पर भाजपा के खिलाफ गोल दाग कर राजनैतिक विश्लेषकों और भाजपा के राजनैतिक रणनीतिकारों चौंका दिया है । यूं तो कड़वा सच यह है कि वर्तमान राजनीतिक के परिप्रेक्ष्य में कांग्रेस के पास ग्वालियर चंबल अंचल में खोने को कुछ नहीं और पाने को बहुत कुछ है और इसके विपरीत भाजपा को इस अंचल में अपनी साख बचाने की चिंता ज्यादा होनी चाहिए। एक बार फिर से ग्वालियर चंबल अंचल के इन युवा कांग्रेस नेताओं की ज़मीनी तौर पर मज़बूत पकड़ ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की नींद उडा कर रख दी है। हालांकि ग्वालियर चंबल अंचल का युवा वर्ग रोजगार के नाम पर अपने आप को ठगा महसूस कर रहा है।

ग्वालियर पुलिस का जन जागरूकता अभियान

ग्वालियर पुलिस की महिला सेल ने छात्र-छात्राओं और आमजन को कानूनी प्रावधानों से अवगत कराने के लिए लगाई ''जागरूकता चौपाल''

ग्वालियर -- पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल,भापुसे के निर्देश तथा अति. पुलिस अधीक्षक(मध्य) श्री अखिलेश रेनवाल के मार्गदर्शन में ग्वालियर जिले में चलाए जा रहे महिला जागरूकता अभियान के तहत डीएसपी महिला सुरक्षा ग्वालियर श्रीमती किरण अहिरवार के द्वारा पुलिस टीम के साथ आज दिनांक 09.03.2024 को फूलबाग स्थित इलाटियन गार्डन में ''जागरूकता चौपाल'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र एवं छात्राओं तथा आमजन को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया और बेटी की पेटी तथा महिला संबंधी अपराधों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर महिला थाना प्रभारी दीप्ति तोमर एवं महिला थाने का पुलिस बल तथा छात्र-छात्राएं तथा आमजन उपस्थित रहे। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशानुसार महिला सुरक्षा शाखा प्रभारी डीएसपी श्रीमती किरण अहिरवार एवं महिला थाना प्रभारी दीप्ति तोमर के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा आज फूलबाग स्थित इलाटियन गार्डन में ''जागरूकता चौपाल'' लगाकर उपस्थित छात्र-छात्राओं तथा आमजन को जागरूक किया गया। उनके द्वारा आज ''महिला हिंसा उन्मूलन'' जागरूकता अभियान के संबंध में जानकारी देकर उपस्थित छात्राओं को जागरूक किया गया तथा उन्हे मध्यप्रदेश पुलिस की डायल 100/112 सेवा तथा 1090 महिला हेल्पलाइन से भी अवगत कराया गया और उपस्थित छात्राओं को बताया गया कि किसी भी आपात स्थित में तत्काल पुलिस को सूचित करें। कार्यक्रम में डीएसपी महिला सुरक्षा ग्वालियर ने कहा कि छात्राओं पर टिप्पणी करना, छात्राओं पर बातचीत करने के लिए दबाब डालना, छेड़ाछाड़ जैसी किसी भी घटना के होने पर तत्काल पुलिस, परिजनों व शिक्षकों को सूचित करना चाहिए। उन्होने उपस्थित छात्राओं को उनसे जुड़े कानूनों के संबंध में भी जानकारी देकर जागरूक किया। इस अवसर पर उपस्थित छात्रों तथा आमजन को बालिकाओं एवं महिलाओं के विरुद्ध घटित अपराधों की रोकथाम हेतु ग्वालियर पुलिस द्वारा चलाये जा रहे जागरूकता के संबंध में जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस अवसर पर डीएसपी महिला सुरक्षा ग्वालियर द्वारा उपस्थित सभी लोगों को बेटी की पेटी के संबंध में भी जानकारी दी गई। ग्वालियर पुलिस की महिला सेल द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों तथा स्कूल/कॉलेज में लगातार जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

वार्ड 64 में व्याप्त बिजली की समस्या के समाधान हेतु ऊर्जा मंत्री को दिया ज्ञापन - एडवा

ग्वालियर -- बीते रोज दिनांक 9/03/24 को अखिल भारतीय जनवरी महिला समिति की जिला सचिव गीता जाटव के नेतृत्व में वार्ड क्रमांक 64 शिवनगर कॉलोनी में व्याप्त बिजली संकट के संबंध में क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर जी को ज्ञापन सौंपकर मांग की गई कि - जिन घरों में अभी तक मीटर नहीं लगाया गया है वहां सर्वे कर मीटर लगाया जाए, जिन लोगों के बिना मीटर आंकलित खपत के नाम पर 10 से 20 हजार बिजली बिल भेजे जा रहे हैं उसे माफ कर प्रत्येक माह बिजली बिल भेजा जाए जिससे सभी लोग समय से भुगतान कर सके, सभी खराब पड़े डीपी को तत्काल बदला जाए एवं अतिरिक्त डीपी लगाई जाए, जली हुई केवल को बदलकर नई केबल लगाई जाए, बिजली चोरी के लगाए गए झूठे आरोपों को खारिज किया जाएं आदि। इस मौके पर उपस्थित एडवा जिला सचिव गीता जाटव ने कहा कि पूर्व में भी क्षेत्रीय कार्यालय पर इस संबंध में ज्ञापन दिए गए लेकिन वहां से कोई कार्रवाई नहीं की गई जिसके बाद मजबूरन क्षेत्र वासियों के साथ मिलकर ऊर्जा मंत्री से मिले ऊर्जा मंत्री ने कार्यवाई का आश्वासन दिया और कहा कि जल्द ही टीम भेज कर सर्वे करवायेंगे और सभी मांगो पर उचित कार्रवाई करेंगे। आगे जिला सचिव गीता जाटव ने कहा कि यदि उचित कार्रवाई नहीं होती है तो क्षेत्र वासियों के साथ मिलकर धरना प्रदर्शन करेंगे। ज्ञापन देने वालों में प्रीति सिंह, गुड्डी जाटव, गीता जाटव, आशा जाटव, अनीता, गीता प्रजापति,विक्की जाटव, अन्य क्षेत्रवासी शामिल रहे।

ग्वालियर में 16 साल में बनकर तैयार हुए जिला न्यायालय के नवीन भवन का हुआ लोकार्पण

ग्वालियर। लंबे इंतजार के बाद आखिर जिला न्यायालय के न्यू कलेक्ट्रेट रोड स्थित नवीन भवन की सौगात शहर को मिल गई। रविवार को हुए भव्य समारोह में इस नवीन भवन का लोकार्पण हुआ। जिला न्यायालय के भवन की नींव करीब सोलह साल पहले 2008 में रखी गई थी। सोलह साल के लंबे इंतजार के बाद जिला न्यायालय की नवीन भवन का लोकार्पण आखिर हो गया।नवीन जिला न्यायालय 7.2 हेक्टेयर में फैला है, यह ग्वालियर का पहला ऐसा न्यायालय है- जो पूरी तरह वातानूकुलित है। इस न्यायालय में 83 कक्ष हैं। पर्याप्त पार्किंग स्थल है। इसकी लागत 115 करोड़ 41 लाख रुपये है।लोकार्पण समारोह में प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जितेंद्र कुमार माहेश्वरी, जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा, मप्र हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस रवि मलिमथ, ग्वालियर बेंच के प्रशासनिक न्यायमूर्ति जस्टिस रोहित आर्या, जस्टिस आनंद पाठक, जस्टिस जीएस अहलूवालिया, जस्टिस विशाल मिश्रा, जस्टिस सुनीता यादव, जस्टिव मिलिंद रमेश फड़के, जस्टिस रूपेश चंद्र वार्ष्णेय, जस्टिस संजीव एस कालगांवकर, जस्टिस विनोद कुमार द्विवेदी, सांसद विवेक नारायण शेजवलकर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, मंत्री राकेश शुक्ला सहित शहर के अन्य गणमान्य नागरिक व अधिवक्ता उपस्थित रहे।
सबसे कम समय में ग्वालियर एयर टर्मिनल बनने की पीएम नरेन्द्र मोदी ने की मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा कि लोकतंत्र में न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका- यह तीनों वह अंग हैं जिनसे लोकतंत्र जीवित रहता है, लोकतंत्र सशक्त बनता है। न्यायालय का भवन बनने से सिर्फ अधिवक्ता, न्यायपालिका से जुड़े लोग ही नहीं बल्कि वह पक्षकार भी लाभांवित होते हैं, जो न्याय का इंतजार कर रहे हैं।यही हमारे लिए सबसे ऊपर है, न्याय दिलाना ही उद्देश्य है। इस भवन में अधिवक्ता, पक्षकारों को अच्छा वातावरण मिलेगा।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478